जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:261 दिनांक:02-09-2024 सोमवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

तेलंगाना में हैदराबाद सहित राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश से संबंधित घटनाओं के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन लोगों के पानी में बह जाने की आशंका जताई जा रही है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों पर ''लगातार हो रहे हमलों'' को लेकर भाजपा सरकार पर ''मूकदर्शक'' बने रहने का रविवार को आरोप लगाया और ऐसी घटनाओं में शामिल ''अराजक तत्वों'' के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की

मानसून का रुख बदला, अब गुजरात में नहीं, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पूर्वी-दक्षिणी राजस्थान होगी झमाझम

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश के पश्चिम मध्य उत्तरी बंगाल की खाड़ी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों कलिंगपट्टनम और गोपालपुर के पास एक भारी डीप डिप्रेशन यानी कि लो प्रेशर बनने कारण मानसून ने अपना रुख बदल लिया है। अब गुजरात में नहीं बल्कि आंध्र प्रदेश के तटीय भाग, तेलंगाना, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पूर्वी-दक्षिणी राजस्थान के हिस्सों में मध्यम से अत्यंत भारी बारिश की संभावना है। वहीं, अगले 24 घंटो में मूसलाधार बारिश की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि 1 सितंबर को आंध्र प्रदेश की तटीय भाग, तेलंगाना, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पूर्वी-दक्षिणी राजस्थान के हिस्सों में मध्यम से अत्यंत भारी बारिश की संभावना है। वहीं, अगले 24 घंटो में मूसलाधार बारिश की संभावना है। उत्तरी भारत खासकर दिल्ली-एनसीआर में उतनी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि छिटपुट बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि गुजरात में अभी भारी बारिश की संभावना नहीं है।

मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के मौसम काफी बदलाव होगा है। 1 सितंबर को राज्य में बिहार में बारिश की तो संभावना नहीं है, लेकिन आसमान में बादल छाए रहेंगे। बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत के राज्यों का हाल भी यहीं रहने वाला है। हालांकि दिन का अधिकतम तापमान 35 तक रहा, मगर लोगों को भारी उमस का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में ऐसा ही हाल रहने वाला है। दिल्ली-एनसीआर ते कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है, मगर लोगों को उमस भी खासा परेशान करने वाली है। पिछली आधी रात से बंगाल की खाड़ी में आंध्र के तट के पास एक डीप डिप्रेशन डेवलप हो रहा है। इसके वजह से सेंट्रल इंडिया और साउथ सेंट्रल इंडिया के भागों में भारी बारिश हो सकती है। डिप्रेशन के चक्र को समझे तो भारत के पश्चिमी भागों में से बंगाल की खाड़ी तक डेवलप हो रही है। इसके रास्तों में पड़ने वाले भागों में भारी बारिश की संभावना है। तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, विदर्भ, रायलसीमा (आंध्र प्रदेश और तामिलनाडु के भाग) में भारी से अत्यंत भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में भारी बारिश की वजह से रेड अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक अगले 24 घंटों में तेलंगाना और विदर्भ में मूसलाधार बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने इन भागों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, तटीय अंध्र प्रदेश, रायल सीमा, पूर्वी कर्नाटक, मराठवाड़ा, केरल और मध्य महाराष्ट्र में भारी बारिश की संभावना है। वहीं, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी गुजरात और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश हो सकती है। इन भागों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वोतर राज्यों बारिश बनी रहेगी।

तेलंगाना में समुद्रम और महबूबाबाद के बीच रेलवे पटरी बह गई। इसके चलते दिल्ली-विजयवाड़ा रूट पर सभी ट्रेनें बंद कर दी गई हैं। आंध्र-तेलंगाना के बीच 6 ट्रेनें रद्द कर दी गई और 9 का मौर्ग बदला। दक्षिण मध्य रेलवे ने रविवार को कुल 20 ट्रेनें रद्द की और 30 के मार्ग बदले। जिन ट्रेनों के मार्ग बदले गए हैं उनमें दानापुर-बंगलूरू, निजामुद्दीन-कन्याकुमारी, सीएसटी मुंबई-भुवनेश्वर और तांबरम-हैदराबाद एक्सप्रेस भी शामिल हैं।

कोलकाता हत्याकांड के विरोध में आज पूरे बंगाल में हो रहे धरना प्रदर्शन

ममता सरकार ने सोमवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया

कोलकाता,(ईएमएस)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले के विरोध में रविवार को रैलियां और प्रदर्शन किए जा रहे हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दल बीजेपी के साथ-साथ नागरिक संगठनों के सदस्यों की पूरे पश्चिम बंगाल में सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन करने की योजना है।

टीएमसी की महिला सदस्य बलात्कारियों को मौत की सजा देने के लिए कानून में संशोधन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं, बीजेपी एस्प्लेनेड का धरना जारी है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा था कि प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि सीएम ममता बनर्जी इस मामले को लेकर इस्तीफा दें।

पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया है, जिसमें दुष्कर्म के दोषियों को मौत की सजा का प्रावधान संबंधी एक विधेयक पेश कर उसे पारित किया जाएगा। रविवार दोपहर मध्य कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से एस्प्लेनेड तक भव्य 'महा मिछिल' रैली निकाली गई, जिसमें समाज के कई वर्गों के लोग शामिल हुए। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि यह एक गैर-राजनीतिक रैली है और इसकी योजना सोशल मीडिया पर बनाई गई। इसमें हजारों लोगों के शामिल हो रहे हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के मामले में आमने-सामने हुए पीडब्ल्यू और नेबी

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग स्थित राजकोट किले में 35 फीट ऊंची 17वीं शताब्दी के मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के 26 अगस्त को अचानक गिरने से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस प्रतिमा का अनावरण पिछले साल 4 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नौसेना दिवस के अवसर पर किया गया था, जिससे इसकी जिम्मेदारी और रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं। एफआईआर के अनुसार, जून में जयदीप आप्टे ने प्रतिमा की मरम्मत का काम किया था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो सका कि भारतीय नौसेना या पीडब्ल्यू ने उन्हें मरम्मत के लिए अधिकृत किया था या नहीं। दिलचस्प बात यह है कि अनावरण के बाद प्रतिमा की देखभाल कौन करेगा, इस पर कोई आधिकारिक आदेश नहीं था। प्रतिमा को नट और बोल्ट से जोड़ा गया था, जो बारिश और समुद्री नमक के कारण जंग खा गए थे। इस जंग ने न केवल प्रतिमा की संरचनात्मक मजबूती को कमजोर किया, बल्कि उसकी आकृति को भी विकृत कर दिया। एफआईआर ने स्थिति की गंभीरता पर जोर दिया और तत्काल मरम्मत और स्थायी समाधान की आवश्यकता को रेखांकित किया ताकि आगे की गिरावट को रोका जा सके।

महाराष्ट्र सरकार और भारतीय नौसेना इस प्रतिमा के गिरने को लेकर एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। प्रतिमा की स्थिति के बारे में पता चलने के बाद किसी ने भी तुरंत कार्रवाई नहीं की और रखरखाव को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रतिमा के अनावरण के बाद, राजकोट किले में पांच लाख से अधिक पर्यटक आए, लेकिन अनावरण के बाद रखरखाव की जिम्मेदारी को लेकर अस्पष्टता बनी रही। एफआईआर के अनुसार, पीडब्ल्यूडी नियमित रूप से राजकोट किले के परिसर का निरीक्षण करता है। 20 अगस्त को एक निरीक्षण के दौरान, पीडब्ल्यू ने प्रतिमा पर लगे नट और बोल्ट को जंग लगा पाया।पीडब्ल्यू ने 22 अगस्त को नौसेना को पत्र लिखा, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया, जिसके चार दिन बाद प्रतिमा गिर गई। अगर समय पर कार्रवाई की गई होती तो यह घटना टल सकती थी। कुछ दिनों बाद, भारतीय नौसेना को पीडब्ल्यू द्वारा प्रतिमा की स्थिति के बारे में सूचित किया गया, लेकिन अनावरण के बाद मरम्मत और रखरखाव कार्य के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। भारतीय नौसेना के सूत्रों का कहना है कि प्रतिमा को विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन किया गया था और इसके निर्माण और स्थापना की निगरानी भारतीय नौसेना ने की थी। 20 अगस्त को राज्य सरकार ने प्रतिमा से संबंधित समस्याओं के बारे में एकपत्र जारी किया था, जिसे राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा देखा जाना था। नौसेना ने कहा कि अनावरण के बाद प्रतिमा के रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की थी।

यूपी सिपाही भर्ती परीक्षाः 71 एफआईआर दर्ज, 86 आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में सिपाही भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी की कोशिश को लेकर अंतिम दिन जिला पुलिस और एसटीएफ ने 24 एफआईआर दर्ज कर 30 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस पूरी परीक्षा में गड़बड़ी करने के मामलों को लेकर बीते पांच दिनों में प्रदेशभर में कुल 71 एफआईआर दर्ज की गई। गड़बड़ी करने वाले 86 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले करीब 30 फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा नहीं दी। परीक्षा संपन्न होने के बाद सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा कि शुचिता के साथ सुचारु ढंग से परीक्षा संपन्न हुई है। इससे उत्तर प्रदेश में सुरक्षा व सुशासन का मॉडल और अधिक समृद्ध होगा।

60 हजार से अधिक पुलिस आरक्षी चयन प्रक्रिया में 15 हजार से अधिक बेटियों की भर्ती होगी। यूपी सिपाही भर्ती पांच दिन चली थी। शनिवार को परीक्षा का अंतिम दिन था। अंतिम दिन भी कई जगह गड़बड़ी की कोशिश की गई लेकिन परीक्षा को लेकर अलर्ट रहे पुलिस प्रशासनिक अमले ने गड़बड़ी करने वालों को दबोच लिया। इनमें एसटीएफ ने आगरा में तीन और प्रतापगढ़ में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि कानपुर में चार, ललितपुर, सहारनपुर, महोबा, बुलंदशहर, बांदा, फतेहपुर, बागपत और बिजनौर में एक- एक आरोपी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अभ्यर्थी, सॉल्वर और ठग शामिल हैं। इनमें कई गिरफ्तारियां उम्र कम दिखाने के लिए 10वीं और 12वीं की परीक्षा के फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले आरोपी भी शामिल हैं। वहीं आधार कार्ड और मार्कशीट में जन्मतिथि में अंतर पर पाए पर भी कुछ की गिरफ्तारियां हुई हैं। एक जगह भाई के स्थान परीक्षा देते एक युवक गिरफ्तार किया गया।

असम विधानसभा में नमाज ब्रेक बंद करने पर भड़के जेडीयू नेता बोले क्या बलि बंद कराएंगे

नई दिल्ली(ईएमएस)। असम विधानसभा में कार्यवाही के दौरान नमाज पढ़ने के लिए ब्रेक होने की परंपरा थी। लेकिन राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने यह कहते हुए बंद करवा दिया कि इससे सदन की कार्यवाही में बाधा आती है। इसको लेकर अब जेडीयू नेता नीरज कुमार ने सीएम पर निशाना साधा है। एनडीए की सहयोगी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीरज कुमार ने नाराजगी जताई है। नीरज कुमार ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से राज्य में हिंदू धर्म में होने वाले रीति-रिवाजों पर भी कदम उठाने को कहा है। असम विधानसभा द्वारा शुक्रवार की नमाज के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थगित करने के नियम में संशोधन पर जद-यू नेता नीरज कुमार ने कहा कि 'असम सरकार का यह फैसला संविधान के मानक के खिलाफ है। सभी धर्मों को अपनी परंपराओं और रीति-रिवाजों को जिंदा रखने का अधिकार है। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा कहते हैं कि इससे विधानसभा में काम करने की क्षमता बढ़ेगी। फिर मैं उनसे कामाख्या मंदिर में 'बलि प्रथा' को रोकने के लिए कहना छ्द्रह्र*छ्ठ किसी को भी धार्मिक प्रथाओं पर हमला करने का अधिकार नहीं है।

गौरतलब है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को राजद के तेजस्वी यादव की नमाज पढ़ने के नियम संबंधी टिप्पणी की आलोचना की और उन्हें उपदेश देने से पहले खुद करके दिखाने की सलाह दी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के पूर्व नेता लोबिन हेम्ब्रम के बीजेपी में शामिल होने के अवसर पर सरमा पार्टी मुख्यालय रांची में मीडियाकर्मियों को संबोधित कर रहे थे। असम विधानसभा में दो घंटे का जुमा अवकाश रद्द किए जाने के बाद तेजस्वी यादव ने असम के सीएम सरमा पर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का आरोप लगाया था। सरमा ने कहा कि 'मैं दो घंटे के जुमा ब्रेक को फिर से लागू करूंगा, अगर मुझे सलाह देने वाले लोग अपने-अपने राज्यों में चार घंटे के ब्रेक को लागू कर दें।' उन्होंने कहा कि असम विधानसभा को छोड़कर, लोकसभा या राज्यसभा सहित कहीं भी 1937 से ब्रिटिश विरासत की ऐसी प्रथा का प्रावधान नहीं है।

शुक्रवार को दो घंटे की जुमा अवकाश को समाप्त करने के असम विधानसभा के फैसले पर तेजस्वी ने सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को योगी का चीनी संस्करण कहा था। उन्होंने कहा था कि असम के मुख्यमंत्री जानबूझकर सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए मुसलमानों को परेशान करने की हरकतें करते रहते हैं।

केरल में संघ की बैठक में बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर हुई चर्चा

पलक्कड़,(ईएमएस)। केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की वार्षिक समन्वय बैठक में आज बीजेपी अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। पार्टी की तरफ से संगठन महासचिव बीएल संतोष यह रिपोर्ट पेश करेंगे। शनिवार को बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात और उनकी सुरक्षा के तरीकों पर एक और रिपोर्ट पेश की गई थी।

इसके अलावा आज यानी रविवार को पर्यावरण, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मजबूती और आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण को रोकने, कृषि क्षेत्र की समस्याओं को खत्म करने पर चर्चा होगी। बता दें कि संघ की समन्वय बैठक में राष्ट्रीय मुद्दों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल जैसे कई राज्यों के अहम विषयों पर भी चर्चा होनी है। तीसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद संघ की अपने सहयोगी संगठनों के साथ यह पहली समन्वय बैठक हो रही है।

बैठक में आरएसएस सर संघ चालक मोहन भागवत, सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले समेत सभी सह सरकार्यवाह इस बैठक में भाग ले रहे हैं। पिछले साल यह बैठक पुणे में हुई थी। बैठक ऐसे समय में हो रही जब बीजेपी के लिए नया अध्यक्ष चुना जाना है। साथ ही साथ जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, झारखंड और महाराष्ट्र में चुनावी बिगुल बज चुका है।

संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर के मुताबिक समन्वय बैठक में इस पर भी चर्चा शामिल है कि कैसे संघ परिवार की सहयोगी संस्थाओं के बीच समन्वय बेहतर तरीके से काम करे। समन्वय बैठक में सितंबर 2025 से सितंबर 2026 तक आरएसएस के शताब्दी वर्ष की तैयारियों को लेकर भी चर्चा होना है।

लंबित मामले कम करने के लिए CJI का बड़ा एलान- तीन चरणों में लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)।मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने जिला न्यायपालिका के सम्मेलन में लंबित मामलों को कम करने के लिए एक नई योजना की घोषणा की। योजना के तहत तीन चरणों में लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। उन्होंने न्यायालयों को महिलाओं के अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। वहीं, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सम्मेलन में न्याय की प्रक्रिया को आसान बनाने और तारीख पर तारीख की पुरानी संस्कृति को बदलने का सुझाव दिया।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तीन मुख्य चरण हैं। जिसमें पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां लंबित मामलों और रिकॉर्ड की स्थिति की जांच करेंगी। दूसरे चरण में, उन मामलों का निपटारा किया जाएगा जो 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरे चरण में, जनवरी 2025 से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तकनीकी और डाटा प्रबंधन प्रणालियों की जरूरत होगी।लंबित मामलों से निपटने के अन्य उपायों में विवादों का समाधान करने की पहल भी शामिल है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की, जिसमें 1,000 से ज्यादा मामलों का समाधान किया गया।

मुख्य न्यायाधीश ने आगे यह भी कहा, हमें यह स्थिति बदलनी होगी कि हमारे जिला न्यायालयों में केवल 6.7 फीसदी इन्फ्रास्ट्रक्चर ही महिलाओं के अनुकूल है। आज के समय में जब कुछ राज्यों में भर्ती में 60 फीसदी से 70 फीसदी महिलाएं हैं, तो क्या यह स्वीकार्य है? हमारी प्राथमिकता है कि न्यायालयों तक पहुंच को बढ़ाया जाए। इसके लिए हम इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट करेंगे, कोर्ट में मेडिकल सुविधाएं आदि स्थापित करेंगे और ई-सेवा केंद्र व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों का उपयोग बढ़ाएंगे। इन प्रयासों का मकसद न्याय तक सभी की पहुंच को आसान बनाना है।

बदलनी होगी तारीख पर तारीख की पुरानी संस्कृतिः कानून मंत्री

वहीं, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ हमारे लिए गर्व का विषय है। आज, न्यायपालिका में विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले सभी महान लोगों का एक ही लक्ष्य है- विकसित भारत का निर्माण। उन्होंने आगे कहा, एक अच्छी न्याय प्रणाली का होना जरूरी है, ताकि नागरिक अपनी पूरी क्षमता से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है।

उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को अपनाने से न्यायिक बिरादरी को मदद मिलेगी और नागरिकों के लिए न्याय की प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तारीख पर तारीख की पुरानी संस्कृति को बदलने का संकल्प लें।

हरियाणा में टिकटों को लेकर मचा घमासान, शाह ने किया दौरा रद्द

जींद,(ईएमएस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। सभी पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवार को मैदान में उतारे मंथन कर रही हैं। वहीं बीजेपी में टिकटों को लेकर घमासान मचा हुआ है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हरियाणा दौरे पर जाने वाले थे अब उनका यह दौरा रद्द हो गया है। उन्हें एक सितंबर को जींद में जन आशीर्वाद रैली में शामिल होना था। इसी रैली से बीजेपी राज्य में चुनाव अभियान की शुरुआत करनी वाली थी।

सूत्रों के मुताबिक माना जा रहा है टिकटों पर मचे घमासान को लेकर अमित शाह ने जींद रैली में आना रद्द कर दिया है। रैली के संयोजक पूर्व सांसद संजय भाटिया ने शनिवार को शाह का कार्यक्रम रद्द होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष मोहनलाल बडोली जींद में जन आशीर्वाद रैली को संबोधित करेंगे। रैली में कई पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता बीजेपी में शामिल होंगे।

संजय भाटिया ने कहा है कि बीजेपी विधानसभा चुनाव अपनी सरकार की दस साल की उपलब्धियां के आधार पर लड़ेगी। उन्होंने बीजेपी के तीसरी बार सत्ता में आने का दावा करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में भले ही बीजेपी पांच सीटें हार गई हो लेकिन बीजेपी ने विधानसभा की 46 सीटों पर जीत दर्ज की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक ऐसा काम बताएं जिसके कारण प्रदेश के लोग उसे सत्ता में लाने की सोचें।

भारत की रूबिना फ्रांसिस को मिला कांस्य

शेटराउ (ईएमएस)। भारतीय निशानेबाजों का पेरिस पैरालंपिक खेलों में अच्छा प्रदर्शन जारी है। अब महिला निशानेबाज रूबिना फ्रांसिस ने पेरिस पैरालंपिक की निशानेबाजी स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता है। रूबिना को ये पदक कुल 211.1 अंक हासिल करने के साथ ही महिलाओं की एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में मिला है।

इस भारतीय निशानेबाज ने क्वालीफिकेशन दौर में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी। पेरिस पैरालंपिक में इस प्रकार भारत ने निशानेबाजी में चौथा और कुल मिलाकर 5वां पदक जीता है। वहीं इससे पहले अब तक इन खेलों में एक स्वर्ण शुक्रवार को अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक के साथ ही हासिल किया था जबकि मोना अग्रवाल ने तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता। इसके अलावा मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) में रजत पदक जीता था।

बंगाल के 2 अस्पतालों में यौन शोषण

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर की घटना के 23 दिन बाद 2 अस्पतालों में छेड़छाड़ की 2 घटनाएं सामने आई हैं। पहला मामला बीरभूम के सरकार अस्पताल का है, जहां एक मरीज ने सलाइन ड्रिप लगा रही नर्स को गलत तरीके से छुआ। पुलिस शिकायत के बाद आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। उधर, हावड़ा के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में सीटी स्कैन कराने गई नाबालिग से लैब टेक्नीशियन ने छेड़छाड़ की। नाबालिग के परिवार ने पुलिस में शिकायत की, जिसके बाद आरोपी को पकड़ा गया। एक और घटना में मध्यमग्राम में हुई।

जम्मू-कश्मीर में खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल करेंगे चुनाव प्रचार

- विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने जारी की 40 स्टार प्रचारकों की सूची

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए कांग्रेस ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम शामिल किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में पहले चरण के लिए 18 सितंबर को वोट डाले जाएंगे। कांग्रेस ने पहले चरण के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सूची में जयराम रमेश, अंबिका सोनी, अजय माकन, सलमान खुर्शीद और कन्हैया कुमार को भी शामिल किया है। इसके अलावा इस सूची में हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, चरणजीत सिंह चन्नी, सचिन पायलट को भी स्टार प्रचारक बनाया है।

ये है स्टार प्रचारकों की सूची

मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, रजनी पाटिल, राजीव शुक्ला, मनीष तिवारी, प्रियंका गांधी, इमरान प्रतापगढ़ी, के.सी. वेणुगोपाल, किशोरी लाल शर्मा, अजय माकन, रंजीत रंजन, अंबिका सोनी, रमन भल्ला, भरत सिंह सोलंकी, ताराचंद, तारिक हमीद कर्रा, चौधरी लाल सिंह, सुखविंदर सिंह सुक्खू, पीरजादा मोहम्मद सईद, जयराम रमेश, इमरान मसूद, गुलाम अहमद मीर, पवन खेड़ा, सचिन पायलट, सुप्रिया श्रीनेत, मुकेश अग्निहोत्री, कन्हैया कुमार, चरणजीत सिंह चन्नी, मनोज यादव, सलमान खुर्शीद, शाहनवाज चौधरी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, राजेश लिलोठिया, अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, अलका लांबा, सैयद नासिर हुसैन, श्रीनिवास बी.वी., विकार रसूल वानी, नीरज कुंदन को कांग्रेस ने स्टार प्रचारक बनाया है।

बता दें कि 90 सदस्यीय जम्मू-कश्मीर विधानसभा के तीन चरणों में चुनाव होंगे। 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में वोट डाले जाएंगे, जबकि वोटों की गिनती आठ अक्टूबर को होगी। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है। जम्मू-कश्मीर में साल 2014 के बाद से यह पहला विधानसभा चुनाव होगा, क्योंकि 2019 में धारा 370 को हटा दिया गया था। इसके बाद से जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं हुए थे।

मणिपुर में संदिग्ध विद्रोहियों की गोलीबारी में एक महिला की मौत

इम्फाल (ईएमएस)। मणिपुर में संदिग्ध विद्रोहियों की गोलीबारी में एक महिला की मौत हो गई और उसकी 12 साल की बेटी घायल हो गई। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। साथ ही उन्होंने बताया कि दोपहर 2।35 बजे कांगपोकपी के नखुजंग गांव से इम्फाल पश्चिम के कदांगबंद की ओर गोलीबारी शुरू हुई। इस दौरान एक पुलिसकर्मी के पैर में भी गोली लगी है। सूत्रों ने बताया कि वह खतरे से बाहर हैं।

कदांगबंद के निवासियों ने कहा कि कम से कम एक ड्रोन ने इलाके के एक घर पर बम गिराया। उन्होंने ड्रोन द्वारा बम गिराए जाने के कथित दृश्य साझा किए हैं, जबकि लोग इस दौरान छिपने के लिए भाग रहे थे। हालांकि सुरक्षाबलों के सूत्रों ने कहा कि उन्हें अभी इस दावे पर गौर करना है। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान कदांगबंद में घरों की रखवाली कर रहे कुछ लोगों ने जवाबी कार्रवाई भी की।

कांगपोकपी कुकी प्रभुत्व वाला क्षेत्र है, जबकि इम्फाल पश्चिम मैतेई प्रभुत्व वाली घाटी में है। कुकी जनजाति और मैतेई समुदाय मई 2023 से कई मुद्दों पर लड़ रहे हैं।

मैतेई समुदाय के सदस्यों ने दावा किया कि कुकी आतंकवादियों ने महिला को मार डाला। कुकी जनजाति के सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि मैतेई ने पहले कांगपोकपी के कुकी गांवों में गोलीबारी शुरू की। दोनों पक्षों ने गोलीबारी के कथित दृश्य साझा किए हैं।

कंगना ने फिर लिया पंगा, जया को बताया पैनिक अटैक वाली महिला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री और सांसद जया बच्चन का गुस्सेल मिजाज से सभी वाकिफ हैं जया छोटी सी बात पर भड़क जाती हैं और अपना गुस्सा जाहिर करती नजर आती हैं। पिछले दिनों वह पार्लियामेंट में उनके पति अमिताभ बच्चन के नाम से संबोधित किए जाने पर नाराज हो गईं थी। अब हाल ही में बीजेपी की सांसद कंगना रनौत ने जया बच्चन के इस रवैये पर टिप्पणी की है, जिसको लेकर वह चर्चाओं में हैं।

जया बच्चन के उस रिएक्ट पर हाल ही में कंगना ने कहा कि वह पैनिक अटैक वाली महिला हैं। ये बहुत ही शर्म की बात है। प्रकृति ने महिला और पुरुष को अलग बनाया है और दोनों के बीच खूबसूरत अंतर है। आजकल फेमिनिज्म के नाम पर कुछ महिलाएं खराब डायरेक्शन में जाने से नहीं चूक रहीं हैं। हमारी सोसाइटी उस डायरेक्शन में जा रही है, जहां उन्होंने एरोगेंस को छोड़ा नहीं है। चीजें ऐसी होती हैं, जैसे कि लोगों को लगता है कि मेरी आइडेंटिटी कहीं छूट गई है, उनको पैनिक अटैक आ जाता है। लोग इतना डरे हुए हैं, जबकि ये कितनी बुरी बात है।

बता दें, इससे पहले भी कंगना और जया बच्चन के बीच बहस हो चुकी है। कुछ समय पहले कंगना ने जया के थाली में छेद वाले बयान पर उन्हें जवाब दिया था, जिसके बाद दोनों के बीच ठनी गई थी। वहीं अब एक बार फिर कंगना ने जया बच्चन से पंगा ले लिया है और उनके ही बयान पर जवाब भी दिया है।

रिटायर्ड टीचर के घर में मिनी गन फैक्ट्री

बक्सर(ईएमएस)। बक्सर में मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा हुआ। फैक्ट्री एक मकान में चल रही थी। मकान मालिक वीरेंद्र सिन्हा हैं। इन्होंने पुलिस को खुद की पहचान शिक्षक बताई है पर, परिवार वाले नवोदय विद्यालय के रिटायर ड्राइवर कह रहे। पुलिस ने छापेमारी में भारी मात्रा में अर्धनिर्मित हथियार बरामद किया है। इसके अलावा हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनों को भी जब्त किया है।

मामला नया भोजपुर थाना क्षेत्र के चांद गांव का है। पुलिस ने मकान मालिक समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 5 मुंगेर निवासी हैं। पांचों का कहना है कि एक माह पहले यहां आए थे। हालांकि पुलिस को शक है कि तीन महीने से ये लोग हथियार बना रहे। वीरेंद्र के भाई सुरेंद्र ने बताया कि नवोदय में काम करने वाले एक मित्र ने भाई से कहा था कि एक रिलेटिव को किराए परमकान दे दीजिए। वे लोग मशीनबिठाकरगाड़ी के पाट्र्स बनाएंगे। भाई ने घर का पिछला हिस्सा 5 हजार किराए पर सौंपा था। वेल्डिंग दुकान के नाम पर अलग से बिजली मीटर भी लगाया था। घर के आगे वाले हिस्से में भइया और भाभी रह रहे थे।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेता ने परिवार समेत खाया जहर, सभी की मौत

-घर में सामने से ताला डाला, पड़ोसी के पहुंचने पर घटना का हुआ खुलासा

जांजगीर,(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एक कांग्रेस नेता ने अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ जहर खाकर खुदकुशी कर ली। बड़े बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं कांग्रेस नेता, पत्नी और छोटे बेटे को गंभीर हालत में बिलासपुर के सिम्स अस्पताल में भर्ती किया गया जहां तीनों ने रविवार सुबह दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक कर्ज से परेशान कांग्रेस नेता ने यह कदम उठाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांजगीर के बोंगापार निवासी कांग्रेस नेता पंचराम यादव (66) पत्नी दिनेश नंदनी यादव (55) पुत्र नीरज यादव

जन हितैषी

शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के बाद महाराष्ट्र में सियासी घमासान

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के बाद से राजनीतिक हलचलें बढ़ गई हैं। यह घटना 26 अगस्त 2023 को घटित हुई, उसके बाद से ही राज्य में उथल-पुथल मची हुई है। इस मुद्दे को लेकर महाविकास आघाड़ी आक्रामक मुद्रा में है। भारतीय जनता पार्टी बचाव की मुद्रा में आमने-सामने आकर खड़ी हो गई हैं। महाविकास आघाड़ी ने इस घटना को लेकर राज्यभर में आंदोलन शुरू कर दिया है। 1 सितंबर 2024 को महा विकास अघाड़ी ने मुंबई के हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक एक विशाल रैली निकाली, जिसमें शरद पवार, उद्धव ठाकरे और नाना पटोले जैसे बड़े नेताओं ने हिस्सा लिया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को शिवाजी महाराज के अपमान और भ्रष्टाचार से जोड़कर विपक्ष सरकार और प्रशासन पर दबाव बना रहा है। प्रतिमा निर्माण प्रक्रिया में भ्रष्टाचार हुआ, अनियमितताएं बरती गईं, जिस कारण यह दुर्घटना हुई। कुछ ही दिनों में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव होने हैं। जिसके कारण जवाब में बीजेपी को भी मैदान में उतरना पड़ा है। मुंबई में भाजपा ने दादर ईस्ट से अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया। भाजपा का आरोप है, कि महाविकास अघाड़ी इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाविकास आघाड़ी शिवाजी महाराज के नाम पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा इस मामले में पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार माफी मांग चुके हैं। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह मामला महाराष्ट्र के चुनाव में एक महत्वपूर्ण असर डालने वाला होगा। विधानसभा चुनावों के निकट आते ही इस घटना से महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान आ गया है। एनडीए के घटक दल शिवसेना (एकनाथ शिंदे) राकापा के (अजीत पवार) और भारतीय जनता पार्टी के सामने एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज का विभिन्न समुदायों के बीच गहरी आस्था और सम्मान है। चुनाव के ठीक पहले उनकी मूर्ति का गिर जाना अशुभ माना जा रहा है। मूर्ति बनाने में जो भ्रष्टाचार हुआ है। उसको लेकर विपक्ष शिवाजी महाराज के मान अपमान से जोड़ते हुए सत्ता पक्ष पर आरोप लगा रहे है। सत्ता पक्ष के लोग सत्ता और भ्रष्टाचार के लिए भगवान और देवता को भी नहीं छोड़ते हैं। इस तरह के आरोप लगाकर विपक्ष सरकार और भाजपा पर हमलावर है। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में यह आरोप भाजपा को भारी पडते हुए दिख रहे हैं। ऐसी स्थिति में यह मामला आने वाले दिनों में और भी गहराएगा। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ओर एनडीए के सहयोगी दलों को भारी नुकसान होने की आशंका वक्त की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने पर शिवाजी महाराज को देवता बताते हुए सार्वजनिक रूप से मस्तक झुका कर माफी मांगी है। आमतौर पर प्रधानमंत्री जल्द माफी नहीं मांगते हैं। उन्होंने अभी तक केवल एक बार किसानों से माफी मांगी है। उसके बाद शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के बाद जिस तरह से उन्होंने माफी मांगी। लगता था, यह मामला ठंडा पड़ जाएगा। लेकिन यह मामला ठंडा पड़ने के स्थान पर दिनों-दिन और भी गर्म होता जा रहा है। इसके पीछे एक ही कारण है। जल्द ही महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव में शिवाजी महाराज को लेकर विपक्ष के पास सत्ता पक्ष पर भावात्मक रूप से जोरदार हमला करने का मौका मिल गया है। चुनाव जीतने के लिए विपक्ष के हाथ में एक तुरुप का पत्ता लग गया है। इसका लाभ विपक्ष को महाराष्ट्र की राजनीति में होता हुआ दिख रहा है। इस घटना से इतना तो तय हो गया है, यह समय भाजपा के लिए अच्छा नहीं है।

इस लिंचिंग पर भी बोलना पड़ेगा आपको

अक्सर मेरे तमाम मित्र मुझसे हिंसा और बलात्कार की हर वारदात पर लिखने की अपेक्षा रखते है। अधिकांश अंधभक्तों की अपेक्षा होती है कि कोई लेखक हो,विपक्ष का नेता हो वो सबसे पहले हिन्दुओं पर बोले,बंगाल पर बोले लेकिन उत्तरप्रदेश या डबल इंजिन की सरकार वाले किसी सूबे के बारे में न बोले। लेकिन हमारी कोशिश होती है कि जहां बोलना जरूरी है ,कम से कम वहां जरूर बोला जाये। मिसाल के तौर पर आज हमें हरियाणा में हुई लिंचिंग की ताजा वारदात पर बोलना पड़ रहा है ,क्योंकि हम जानते हैं कि इस वारदात को लेकर कोई सत्तारूढ़ दल शायद ही बोले।

हरियाणाके चरखी दादरी में गोरक्षक समूह की दरिंदगी सामने आई है। यहां एक शख्स की गोमांस खाने के शक में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस तरह की वारदात को अंग्रेजी वाले लिंचिंग कहते हैं। इस घटना के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें गोरक्षक दल के युवक दो लोगों के साथ बेरहमी से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कुछ लोग हस्तक्षेप भी करते हैं, लेकिन गोरक्षक किसी की नहीं सुनते।

यह लोमहर्षक वारदात 27 अगस्त की है, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई तो दूसरा गंभीर रूप से घायल है.। पुलिस पूरे एक महीना इस वारदात पर पर्दा डाले रही। हालाँकि पुलिस ने बाद में इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. साथ ही दो किशोरों को भी पकड़ा गया है.

पुलिस के मुताबिक, चरखी दादरी जिले के बाढड़ा में कुछ युवकों ने गोमांस बनाकर खाने और बेचने के आरोप में कबाड़ बेचने वाले एक प्रवासी मजदूर की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। युवक की पहचान 26 साल के साबिर मलिक के रूप में की गई है। साबिर बाढड़ा में झुग्गी झोपड़ी बनाकर रह रहा था। परिजनों का आरोप है कि कबाड़ बेचने का बहाना बनाकर उन्हें बुलाया गया और फिर इस वारदात को अंजाम दिया गया। हरियाणा के संवेदनशील मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नायब सैनी ने चरखी दादरी की घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बातें ठीक नहीं है। गौ माता की सुरक्षा के लिए हमने कानून बनाया है। लेकिन उन्होंने बड़ी ही मासूमियत से ये भी कह दिया कि गांव के लोगों को जब पता लगता है कि ऐसा हो रहा है तो उन्हें कौन रोक सकता है ? यानि ऐसी वारदातों को सरकार का परोक्ष रूप से संरक्षण है !

धुले में रहने वाले 72 वर्षीय बुजुर्ग अशरफ अली सय्यद हुसैन खुश नसीब थे जो उनकी जान बच गयी। वे अपनी बेटी से मिलने के लिए जलगांव से कल्याण जाने के लिए धुले सीएसएमटी एक्सप्रेस में सवार थे। उन्हें भी लोगों ने बीफ ले जाने के संदेह में धुन दिया। गनीमत है कि उनकी जान बच गयी। इस मामले में ठाणे जीआरपी में एफआईआर दर्ज करने के लिए रेलवे के पुलिस कमिश्नर ने आदेश दिए थे, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की मानें तो धुले एक्सप्रेस ट्रेन में पहले सीट को लेकर लड़ाई हुई और फिर उन पर बीफ लेकर यात्रा करने का आरोप लगाकर पिटाई की गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान कर ली है, जो धुले के रहने वाले हैं. पुलिस की टीम उनकी तलाश करने धुले भेजी गई है।

एक ही मिजाज की ये दो वारदातें इस बात को प्रमाणित करतीं है कि समाज में सियासत ने नफरत के जो बीज दस साल पहले बोये थे वे अब फलने-फूलने लगे हैं। अल्पसंख्यकों को बहुसंख्य समाज अपना दुश्मन नंबर एक समझने लगा है। अल्पसंख्यक क्या खाएं, क्या पहने, कहाँ जाएँ या न जाएँ ये सब सियासत तय करना चाहती है। असम में विधानसभा में सौ साल से विधानसभा में नमाज के लिए दिया जाने वाला ब्रेक भी असम की सरकार ने बंद कर दिया। ये सरकार की और से की गयी भावनात्मक लिंचिंग नहीं तो और क्या है ? लेकिन इन तमाम मुद्दों पर वो भाजपा मौन है जो कोलकाता में एक महिला चिकित्सक की हत्या और बलात्कार के मामले को लेकर सिर पर आसमान उठाये हुए है। यानि भाजपा के लिए लिंचिंग कोई मुद्दा नहीं है। अल्पसंख्यकों कोई सुरक्षा कोई मुद्दा नहीं है। मणिपुर की हिंसा कोई मुद्दा नहीं है ,लेकिन यदि मुद्दा है तो कोलकाता में महलाओं की सुरक्षा।

देश में महिला सुरक्षा को लेकर जो रुख बंगाल को लेकर है वो उत्तरप्रदेश,हरियाणा,महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में होने वाली वारदातों को लेकर क्यों नहीं है ? प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि , न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक बुनियादी ढांचा के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। मोदी जी का दावा है कि पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक बुनियादी ढांचा पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है। वे हरियाणा की लिंचिंग पर कुछ न बोलते हुए कहते हैं कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही बड़ा भरोसा मिलेगा।

प्रधानमंत्री जी कभी झूठ नहीं बोलते । वे जो कह रहे हैं वो सोलह आना सच होगा ही, उनकी पार्टी की सरकारों ने तो बुलडोजर संहिता लागू कर अदालतों का काम भी सरकारों को करने की छूट दे दी है। भाजपा शासित राज्यों में तो अदालतों कि फैसले आने से पहले ही सरकार आरोपियों कि घर-मकान,दुकाने, जमींदोज कर देतीं हैं ,लेकिन महिलाओं,बच्चों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हैं की रुकने का नाम ही नहीं ले रहे। यानि बुलडोजर संहिता भी नाकाम हो गयी। आने वाले दिनों में क्या होगा ,ये कहना कठिन है। अभी तो जान के लाले पड़े हुए हैं। (लेखक- राकेश अचल / ईएमएस)

डंकी रूट से जुड़े संकट एवं दर्द को कौन सुनेगा?

भारतीयों में विदेश जाकर पढ़ने और नौकरी का क्रेज है, यह सालों से रहा है। पंजाब, गुजरात के लोगों ने अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन में अपनी अच्छी जगह बनाई है लेकिन हाल के सालों में बहुत सारे भारतीय गैर-कानूनी यात्रा के शिकार होकर कुछ ने अपनी जान गवांई है तो कुछ अनेक तकलीफों का सामना कर रहे हैं। अवैध तरीकों से डंकी रूट से अमेरिका आदि देशों में युवाओं को भेजकर जानलेवा अंधी गलियों में धकेलने वाले एजेंटों ने भले ही मोटी कमाई की हो, लेकिन इस काले कारनामों एवं गौरखधंधे पर समय रहते कार्रवाई न होना सरकार की बड़ी विफलता है। मोटी कमाई और चमकीले सपनों का सम्मोहन युवाओं की सोचने-समझने की शक्ति को ही कुंद कर देता है कि वे अपनी जान तक को भी जोखिम में डाल देते हैं। दरअसल, डंकी रूट अमेरिका आदि देशों में जाने का एक ऐसा अवैध रास्ता है, जिसमें सीमा नियंत्रण के प्रावधानों को धता बताकर एक लंबी व चक्करदार यात्रा के माध्यम से दूसरे देश ले जाया जाता है।

डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द 'डुंकी' से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। एक दशक से जारी इस गोरखधंधा-डंकी प्रेक्टिस का तब पर्दाफाश हुआ एवं यह अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आया जब इसके अन्तर्गत दिसंबर 2023 में फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। हाल ही में पंजाब में समाना के चार युवाओं की दर्दनाक कहानी उजागर हुई है, जिन्हें एजेंटों ने मोटी रकम वसूलकर जानलेवा हालातों में धकेल दिया। उनसे दो चरणों में करीब ढाई करोड़ रुपये वसूले गये और घातक परिस्थितियों में धकेल दिया गया। कई दिन जंगलों में उन्हें भूखा रहना पड़ा। फोन व जूते छीन लेने से उन्हें नंगे पैरों पैदल चलना पड़ा। डंकी रूट में लिप्त एजेंट अपराधी है, युवा-सपनों को चूर-चूर करने वाले धोखेबाज है। यह दर्द एवं विडम्बना केवल पंजाब की नहीं है, बल्कि गुजरात एवं देश के अन्य भागों के युवाओं की भी है। रोजगार के साथ-साथ शिक्षा सबसे बड़ी वजह है डंकी रूट की। कुछ देशों में तकनीकी तथा अन्य प्रोफेशनल शिक्षा पर भारत के मुकाबले कम खर्च होते हैं इसलिए भी छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं। जिन्हें कम समय में अच्छी कमाई करके अच्छी लाइफ स्टाइल में जीने की ख्वाहिश होती है या फिर जो भारत में किसी क्राइम में शामिल होते हैं वे भी गैरकानूनी तरीका अख्तियार करते हैं।

डंकी रूट के ज़रिए लोग अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में अवैध तरीके से प्रवेश करते हैं। इस रास्ते में कई जानलेवा खतरों का सामना करना पड़ता है। कई बार, अवैध तरीके से एंट्री करने के दौरान लोगों की मौत भी हो जाती है। साल 2022 में, अमेरिका-कनाडा बॉर्डर से 10 मीटर की दूरी पर एक गुजराती परिवार की लाश मिली थी, यह परिवार बर्फ़ीले तूफ़ान की चपेट में आ गया था। इसी साल अप्रैल में, एक और गुजराती परिवार की मौत हो गई थी। अमेरिका में एंट्री से पहले ही सेंट लॉरेंस नदी में उनकी बोट डूब गई थी। इस घटना में पति-पत्नी और उनके दो बच्चे मारे गए थे। युवाओं का धोखेबाज एजेंटों के जाल में फंसना हमारे शासन तंत्र की नाकामी ही है। यदि ऐसे एजेंट समय रहते कानून व्यवस्था के शिकंजे में फंस गये होते तो युवा ठगी के शिकार न बनते। आखिर हम अपने युवाओं को देश में सम्मानजनक रोजगार क्यों नहीं दे पा रहे हैं? भारत सरकार अन्य देशों के साथ मिलकर युवाओं को धोखे से विदेश भेजने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? निस्संदेह, विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से दलाली-ठगी करने वाले इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय गिरोहों का खातमा करना अपेक्षित है। एशिया, यूरोप व मध्य अमेरिका तक दलालों के जाल बिछे हैं।

शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' में इस समस्या को उभारा गया है। इस फिल्म में अवैध तरीके से विदेश जाने के तरीके को एवं उसमें होने वाली परेशानियों को दिखाया गया है। मूवी दिखाती है कि सात समंदर पार जाने का सपना लिए लोग कैसे-कैसे अवैध तरीके अपनाते हैं, कितनी दुश्वारियां और कितना पैसा खर्च कर देते हैं। 'डंकी रूट' एक विकराल होती समस्या है। भारत में बढ़ती बेरोजगारी जहां इस समस्या का बड़ा कारण है, वहीं किस तरह युवा भी धैर्य व कठिन परिश्रम के बजाय रातोंरात अमीर बनने के सपने सजोते हुए इन संकटों को आमंत्रित करते हैं। आखिर क्या वजह है कि मां-बाप जमीन बेचकर व अपने गहने-मकान गिरवी रखकर बच्चों को विदेश भेजने को आतुर हैं? आखिर सुनहरे सपनों की चकाचौंध में हमारे युवा दलालों के हाथों के खिलौने क्यों बन रहे हैं? अमेरिका एवं अन्य देशों में जाने के सम्मोहन में अपने जीवन को इस तरह जोखिम में डालना युवा क्यों उचित मानते हैं? पिछले दिनों दलालों ने देश के युवाओं को सुनहरे सपने दिखाकर युद्धरत रूस की फौज में भी भर्ती करवा दिया। कई युवाओं के युद्ध में मरने की खबरें भी आई। दरअसल, युवाओं की इस बदहाली की वजह भ्रष्ट व बेईमान ट्रैवल एजेंट तो हैं ही, हमारी सरकारें भी इसके लिये कम जिम्मेदार नहीं है।

हाल ही में डंकी यात्रा पूरी करने वाले लोगों के परिवारों ने बताया कि मानव तस्कर अक्सर नई दिल्ली और मुंबई से प्रवासियों को पर्यटक वीजा पर संयुक्त अरब अमीरात ले जाते हैं। फिर वे वेनेजुएला, निकारागुआ और ग्वाटेमाला जैसे लैटिन अमेरिका के एक दर्जन से ज्यादा ट्रांजिट बिंदुओं से गुजरते हुए अमेरिका-मेक्सिको सीमा तक पहुंचते हैं। अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते पांच साल में दो लाख से ज्यादा भारतीय अवैध तरीके से अमेरिका में घुसते हुए पकड़े गए हैं। ऐसे मामले उजागर होने के तुरंत बाद कुछ गिरफ्तारियां इस बड़े संकट का समाधान नहीं है। इन आपराधिक कृत्यों में लिप्त एजेंट कुछ समय के लिये चुप बैठकर फिर से अपने नापाक खेल में सक्रिय हो जाते हैं। वैसे वे युवा भी कम दोषी नहीं हैं जो वास्तविक स्थिति को जाने बिना शॉर्टकट रास्ते के लिये दलालों को पैसे देने को तैयार हो जाते हैं। दरअसल, विदेश जाने के इच्छुक उम्मीदवारों को आधिकारिक चैनल को दरकिनार करने के खतरों के बारे में भी बताना चाहिए। इसके लिये उन्हें सचेत करने के मकसद से जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

हमारे देश के युवा अमीर देशों में पलायन करने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या गरीबी से छुटकारा पाने वालों एवं आकांक्षाओं से भी जुड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही विदेश में निम्न-स्तरीय नौकरियां मिले लेकिन बेहतर वेतन के लोभ में युवा ऐसी नौकरियां करते हैं। भारत में बेरोजगारी का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में 60 हजार कांस्टेबल की भर्ती के लिये 48 लाख से भी अधिक युवा-प्रार्थियों ने आवेदन किया है। थक-हारकर ऐसी एवं अन्य नौकरियों के लिये कोशिशों में नाकाम रहने वाले युवा विदेशों की ओर पलायन करते हैं। कई लोगों की राय में अमेरिका में होने वाली अच्छी कमाई डंकी रूट की जोखिमों एवं परेशानियों की भरपाई कर देती है। कई परिवारों ने कहा कि उनके बेटे और भतीजे हर महीने कम से कम दो लाख रुपये घर भेजते हैं और वे मुख्य रूप से गैस स्टेशन, मॉल, किराना स्टोर और रेस्तरां में फुल या पार्ट टाइम जॉब करते हैं। एक शख्स के अनुसार उसका भतीजा कैलिफोर्निया में एक डेयरी फार्म में प्रतिदिन लगभग 100 डॉलर कमाता है, जबकि यहां भारत में वह वही काम करके एक महीने में 6,000 रुपये कमाता था। रिश्तेदारों के मुताबिक, इस धन से न केवल उन्हें कर्ज उतारने, स्कूल की फीस भरने, दहेज, घर की मरम्मत और नई कार खरीदने में मदद मिली, बल्कि इससे उनकी सामाजिक स्थिति भी सुधरी। माना जाता है कि हाल के वर्षों में देखे गए वीजा बैकलॉग ने भी कुछ संभावित प्रवासियों को डंकी रूट अपनाने के लिए प्रेरित किया है। संभावित प्रवासियों के लिए यह निर्णय भारी कीमत और बहुत बड़े जोखिम के साथ आता है। विडम्बना देखिये कि मुट्ठी भर डंकी प्रवासियों की सफलता की कहानियां बहुसंख्यकों को गुमराह करती हैं। हर कोई प्रवास के लाभों के बारे में बात करता रहता है, लेकिन कोई भी समस्याओं और चुनौतियों के बारे में बात नहीं करता। (लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद आरएसएस की चुनावी रणनीतियां

भाजपा के लिए सन 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे निराशाजनक रहे। लोकसभा में उसके सदस्यों की संख्या 303 से घट कर 240 रह गई। नतीजा यह कि पिछली बार जहाँ केवल नाम की गठबंधन (एनडीए) सरकार थी वहीं इस बार सरकार वास्तव में एक पार्टी की न होकर गठबंधन की नज़र आ रही है। पिछली और उसकी पिछली सरकारों में गठबंधन दलों की सुनने वाला कोई नहीं था। मगर अब इस बात की काफी अधिक संभावना है कि गठबंधन के साथी दलों की राय ओर मांगों को सरकार सुनेगी और उन पर विचार करेगी। इसके चलते भाजपा अपना हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा उतनी आसानी से लागू नहीं कर पाएगी, जितना पहले कर लेती थी। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन की ताकत में भी इजाफा हुआ है और राहुल गाँधी की लोकप्रियता में भी बढ़ोत्तरी हुई है। विपक्ष अब अपनी बात ज्यादा दमख़म से कह पा रहा है।

ऐसा हो सकता है कि पिछली चुनाव में आरएसएस अपनी राजनैतिक संतान भाजपा की मदद के लिए मैदान में न उतरा हो। मगर यह मानना भूल होगी कि वह चुनाव में भाजपा की हार चाहता था। वह केवल भाजपा के 'नॉन-बायोलॉजिकल' नेता को चेतावनी देना चाहता था, उसके बढ़ते वर्चस्व की हवा निकलना चाहता था। मगर भाजपा की गाड़ी का स्टीयरिंग व्हील अब भी आरएसएस के हाथों में है। संघ पिछली सीट पर बैठ कर गाड़ी चला रहा है। आरएसएस और भाजपा नेताओं की लम्बी-लम्बी बैठकें चल रही हैं जिनमें चुनाव नतीजों की विवेचना की जा रही है और भविष्य की रणनीति तैयार हो रही है।

उत्तरप्रदेश में ऐसी ही बैठक में आरएसएस के प्रतिनिधिमंडल के नेता सह सरकार्यवाह (संयुक्त महासचिव) अरुण कुमार थे, जो लम्बे समय से संघ और भाजपा के बीच समन्वय का काम करते आ रहे हैं। लाइव हिंदुस्तान के अनुसार, आरएसएस के राम माधव को जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों का प्रभार दे दिया गया है।

आरएसएस को लगता है कि चुनाव में भाजपा की सीटों में गिरावट का मुख्य कारण है दलित वोटों का इंडिया गठबंधन की ओर खिसक जाना। इससे निपटने के लिए विहिप को सक्रिय किया जा रहा है। उसके कार्यकर्ता दलित बस्तियों में बैठकें करेंगे और दलितों के साथ भोजन करेंगे। दलितों को लुभाने के लिए विहिप से जुड़े साधु-संत उनकी बस्तियों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। द हिन्दू के अनुसार, ये धार्मिक नेता नियत स्थानों में पदयात्राएं करेंगे, सत्संग और धर्म संसदों का आयोजन करेंगे, दलितों के घरों में जाएंगे और उनके साथ भोजन करेंगे। यह कार्यक्रम विहिप की 9,000 इकाईयों में किए जाएंगे।

यह सब हमें राममंदिर आन्दोलन की याद दिलाता है जिसकी नींव विहिप ने रखी थी और बाद में भाजपा ने इस आन्दोलन का मोर्चा सम्हाल लिया था। आरएसएस चालकों (प्रचारकों, स्वयंसेवकों) को प्रशिक्षण तो देता ही था, अब वह बैकसीट ड्राइविंग भी कर रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों ने उसे हिला दिया है और वह भाजपा के खोये हुए वोट बैंक को फिर से हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करने वाला है। चुनाव नतीजों के बाद आरएसएस की सक्रियता से यह जाहिर है कि केवल एक सांस्कृतिक संगठन होने का उसका दावा कितना खोखला है। यह अलग बात है कि इस बार आरएसएस को अपनी राजनैतिक ताकत दूसरी दिशा में लगानी पड़ेगी। राममंदिर आन्दोलन, मंडल से मुकाबला करने के लिए खड़ा किया गया था। मोदी सरकार के दस सालों के दौरान हिंदुत्ववादी एजेंडा के अनुरूप जम कर काम किया गया। और अब लोगों को ऐसा लग रहा है कि आरएसएस, जो मनुस्मृति और मुसलमानों से नफरत करो के सिद्धांतों पर आधारित है, सामाजिक न्याय के पक्ष में कभी खड़ा नहीं हो सकता।

विपक्षी पार्टियों को हिन्दू राष्ट्र की राजनीति के असलियत को समझने में एक लम्बा वक्त लग गया। मोदी-भाजपा के 10 साल लम्बे पक्षपाती और तानाशाहीपूर्ण शासन के बाद विपक्षी पार्टियों ने आरएसएस की राजनीति के से मुकाबला करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। आरएसएस में भी बदलाव आए हैं। उसके द्वितीय सरसंघचालक एम.एस. गोलवलकर ने उनकी पुस्तक व्ही ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड में नाज़ी और फासीवादी विचारधारा का जम कर गुणगान किया था। संघ ने तिरंगे का विरोध किया था और भारत के संविधान का भी। नाथूराम गोडसे द्वारा महात्मा गाँधी की हत्या के बाद आमजनों की निगाहों में आरएसएस की छवि बहुत ख़राब हो गयी थी।

यह नियति ही थी कि जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति आन्दोलन उभरा और उससे आरएसएस को फिर से विश्वसनीयता और स्वीकार्यता हासिल हुई। जेपी प्रतिबद्ध स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे मगर फिर भी वे आरएसएस की असलियत को नहीं समझ सके। उन्होंने यहाँ तक कहा कि, अगर आरएसएस फ़ासिस्ट है तो मैं भी फ़ासिस्ट हूँ। नेहरु को आरएसएस की असली प्रकृति की अच्छी समझ थी। दिसंबर 1947 में प्रांतीय सरकारों के मुखियाओं को लिखे गए एक पत्र में नेहरु ने लिखा था, हमारे पास इस आशय के ढेर सारे सुबूत हैं कि आरएसएस की प्रकृति एक निजी सेना जैसी है। वह पूरी तरह से नाजियों की राह पर चल रहा है और नाज़ी संगठनों के तौर-तरीके भी अपना रहा है। आरएसएस की इस असलियत पर बाद की सरकारों ने ध्यान नहीं रखा। इसके अलावा, आरएसएस द्वारा प्रशिक्षित प्रचारकों ने देश की महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनैतिक संस्थाओं में घुसपैठ कर ली।

भाजपा सरकार के दो कार्यकालों में जनता के एक बड़े तबके और कई राजनैतिक दलों का भाजपा से पूरी तरह मोहभंग हो गया है। उन्हें यह समझ में आ गया है कि नेहरु जो कहते थे, उसमें सच्चाई थी। इसके अलावा, अनेक नागरिक समाज संगठन, जो चुनावों से दूरी बनाये रखते थे, भी जाग उठे हैं। उन्हें यह साफ़ नज़र आ रहा है कि भाजपा-आरएसएस के शासन ने हमारे समाज को इतना नुकसान पहुंचा दिया है कि इंडिया गठबंधन की सारी कमजोरियों के बावजूद अब यह ज़रूरी हो गया है कि प्रजातान्त्रिक और बहुवादी मूल्यों को पुनर्स्थापित करने के उसके अभियान को हर तरह का सहयोग दिया जाए। विभिन्न मुद्दों पर अपने मतभेदों को परे रख, ये संगठन आपस में सहयोग कर रहे हैं ताकि हमारे देश में प्रजातंत्र बचा रहे और बहुवाद फले-फुले। इडूलु कर्नाटक और उसके बाद भारत जोड़ो अभियान इस सहयोग के उदाहरण हैं।

यह अहसास केवल राजनीति के क्षेत्र तक सीमित नहीं। हम सब देख रहे हैं कि किस तरह देश में वैज्ञानिक और तार्किक सोच को हतोत्साहित किया जा रहा है और अंधश्रद्धा को बढावा दिया जा रहा है। प्राचीन भारत का अतार्किक महिमामंडन हो रहा है। हमें बताया जा रहा है कि प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी थी। हमें यह भी बताया जा रहा है कि गौमूत्र में सोना होता है और यह भी कि थालियाँ पीटने से कोरोना भाग जायेगा। आईआईटी, जो विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में देश के सर्वोच्च संस्थान हैं, पंचगव्य की उपयोगिता पर शोध कर रहे हैं.

आरएसएस के प्रशिक्षित प्रचारक चारों ओर हैं। मीडिया और सोशल मीडिया के ज़रिये वे प्रतिगामी मूल्यों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। सड़ांध बहुत गहरे तक पहुँच चुकी है। भाजपा को चुनावों में पराजित करना, इस सड़ांध को मिटने की दिशा में पहला कदम है। इसके बाद हमें ऐसी सामाजिक सोच जो बढ़ावा देना होगा जो हमारे स्वाधीनता आन्दोलन के मूल्यों पर आधारित हो। चाहे वह इतिहास हो या विज्ञान या न्याय व्यवस्था, हमें सांप्रदायिक विचारधारा द्वारा बोए गए विषैले पौधों को उखाड़ फेंकना होगा। (लेखक- राम पुनियानी/ ईएमएस) (अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

शब्द पहेली - 8116

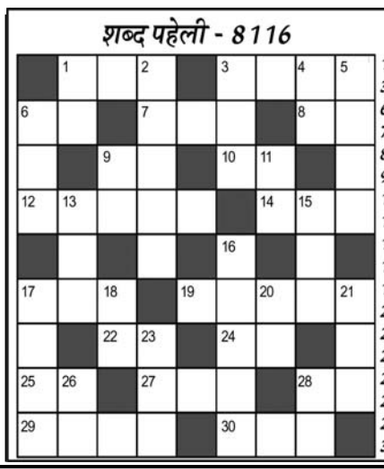

बाएँ से दाएँ

1.दैत्य,असुर-3
3.रुकावट,बाधा-4
6.सम्मान-2
7.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
8.मूल,कंद-2
9.सलाह,मशवरा-2
10.मोटा आटा-2
12.सलाह देने वाला-5
14.जलाना-3
17.माला का मोती-3
19.उग्रवाद,हिंसा वाद-5
22.शराब,मदिरा-2
24.दुख,कष्ट-2
25.चेतना,ध्यान-2
27.सालन,रसा-3
28.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
29.राजकुमार (उर्दू-4)
30.अस्तित्व,प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1.खैरात,दक्षिणा-2
2.गोलाकार-5
3.नश्वर,जो कभी न मरे-3
4.प्रतिदिन-2
5.हृदय स्पंदन-4
6.विचार-3
9.मार्ग,रास्ता-2
11.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13.बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15.सीरा,एक मिष्ठान्न-3
16.पतंग के पेच लड़ाना-5
17.बेसुध,अलमस्त-4
18.कार्य-2
20.जरा,थोड़ा-2
21.दरवाजा खटखटाना-3
23.इन्होंने कृष्ण को पाला था,कृष्ण की दूसरी मां-3
26.उकसावा,बढ़ावा-2
28.मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -8115 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पेरिस पैरालिंपिक खेल : भारत की मनीषा बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंची

पेरिस (ईएमएस)। भारत की पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी मनीषा रामदास पेरिस पैरालिंपिक 2024 खेलों के सेमीफाइलन में पहुंच गयी हैं। मनीषा ने महिला एकल एसयू5 क्यूएफ स्पर्धा में जापान की मामिको टोयोडा को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में 2-0 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी।

मनीषा ने जापानी खिलाड़ी को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं भारत की ही मनदीप कौर को एसएल3 की क्वार्टर फाइनल स्पर्धा में नाइजीरिया की मरियम बोलाजी के खिलाफ सीधे सेटों में 8-21, 9-21, 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की ही पलक कोहली को एसएल4 क्वार्टर फाइनल स्पर्धा में इंडोनेशिया की के सादियाह के खिलाफ 0-2 से 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

--निशाने बाजी में अवनि और सिद्धार्थ क्वालीफाई नहीं कर पाये

वहीं महिला निशानेबाज अवनि लेखरा मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन (एसएच1) स्पर्धा में 11वें जबकि सिद्धार्थ बाबू 28वें स्थान पर रहे और इस तरह से फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए।

अवनि इससे पहले अवनि ने 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में स्वर्ण पदक जीता था पर इस बार वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायीं। वह अच्छी शुरुआत के बावजूद 628.8 अंक के कुल स्कोर के साथ 11 वें स्थान पर रहकर बाहर हो गयीं। वहीं सिद्धार्थ ने 628

वैश्विक रुख और पीएमआई जैसे आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

- डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार को ??दिशा देंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह वैश्विक रुख, वृहत आर्थिक आंकड़ों की घोषणा और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां घरेलू शेयर बाजार की चाल तय करेंगी। बाजार के विश्लेषकों ने यह बता कही है। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा प्रभा?वित करेंगे। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि फेडरल ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की अगली बैठक सितंबर के मध्य में होनी है लेकिन उससे पहले बाजार की नजर अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों पर होगी। विनिर्माण पीएमआई, गैर-कृषि रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े इस सप्ताह जारी होने हैं। ये सभी उल्लेखनीय रूप से बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा ?कि संस्थागत पूंजी प्रवाह भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। घरेलू बाजार में तेजी के पीछे प्राथमिक कारण अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की बढ़ती उम्मीद और घरेलू निवेशकों की लिवाली है। वाहन बिक्री आंकड़ों की घोषणा के बीच इन कंपनियों के शेयरों पर नजर होगी। उन्होंने कहा ?कि अनुमान लगाया जा रहा है कि शेयर केंद्रित कदम के साथ बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहेगा। सप्ताह के दौरान जारी होने वाले वैश्विक वृहत आर्थिक आंकड़ों से घरेलू बाजार को संकेत मिलना जारी रहेगा। एक व?रिष्ठ बाजार ?????विशेषज्ञ ने कहा ?कि व्यापक स्तर पर खरीद समर्थन से मानक सूचकांक नई ऊंचाई पर पहुंच गए। पिछले सप्ताह जैक्सन होल बैठक में मिले संकेत के बाद अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद ने निवेशकों को अधिक आश्वस्त किया है। हालांकि, सतर्क रुख अपनाया जा सकता है और मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। इसका कारण, बाजार पिछले 12 कारोबारी सत्रों से चढ रहा है।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव 39 रुपए तक बढ़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 सितंबर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें बढ़ा दी हैं। वहीं घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। 1 सितंबर को सुबह 6 बजे से यह नई दर लागू हो चुकी है। र?विवार से दिल्ली में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 39 रुपये तक महंगा हो चुका है। दिल्ली में 19 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1652.50 रुपये से बढ़कर 1691.50 रुपये, जबकि कोलकाता में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 1764.50 रुपये से बढाकर अब 1802.50 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह मुंबई में 1645.50 रुपये से बढ़कर 1684.50 रुपये और चेन्नई में 1817.50 रुपये से बढ़कर 1855.50 रुपये हो गया है। इस साल मार्च के महीने में सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 100 रुपये तक घटाए थे। इस साल तेल मार्केटिंग कंपनियों ने कई बार कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें बढ़ाई हैं, वहीं लंबे समय से घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार की ओर से महिला दिवस पर बड़ी राहत दी गई थी। इस साल मार्च के महीने में सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 100 रुपये तक घटाए थे।

सेबी ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा, निकासी मानदंड सख्त किए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डेरिवेटिव सेगमेंट में शेयरों के जमा और निकासी के मानदंडों में कई बदलाव किए। संशोधित नियमों के तहत स्टॉक के लिए मीडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज (एमक्यूएसओएस) को 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 75लाख रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा मिनिमम मार्केट वाइड पोजिशन लिमिट (एमडब्ल्यूपीएल)को 500 करोड़ से तीन गुना बढ़ा कर 1,500 करोड़ कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में जुलाई तक राज्यों को 3.66 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वित्त मंत्रालय ने अपने वित्तीय लेखा-जोखा की रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकारों को उनके करों के हिस्से के रूप में 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 57,109 करोड़ रुपये अधिक है। सरकार ने जुलाई तक कुल 13,00,351 करोड़ खर्च किए हैं, जो बजट अनुमान का 27 फीसदी है।

पाकिस्तान में पेट्रोल 2 रुपए, डीजल 3 रुपए हुआ सस्ता

इस्लामाबाद (ईएमएस)। कंगाली के जूझ रहे पाकिस्तान में महंगाई चरम पर है। इसी बीच वहां के आवाम के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। पाकिस्तान सरकार ने आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की है। वित्त मंत्रालय की ओर से इस संबंध में आदेश कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल की कीमतों में 1.86 रुपए व हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में 3.32 रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई है। सरकार की ओर फ्यूल प्राइस में कटौती के बाद हाई स्पीड डीजल की नई कीमत 266 रुपए 07 पैसे हो गई है। वहीं पेट्रोल की कीमत पहले 260 रुपए 96 पैसे थी, जो अब 259 रुपए 10 पैसे हो गई है। यदि किसी के पास पेट्रोल और डीजल दोनों तरह के वाहन हैं तो उन्हें 5 रुपए कम देने होंगे। सितंबर के पहली तारीख मिले इस तोहफे से आम आदमी को बड़ी राहत मिली है।

एफपीआई ने शेयर बाजारों में अगस्त में 7,320 करोड़ का निवेश किया

- निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में घरेलू शेयर बाजार में केवल 7,320 करोड़ रुपये का निवेश किया। शेयरों के उच्च मूल्यांकन और बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर बढ़ाने के बाद येन कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश के समाप्त होने के बीच उन्होंने सतर्क रुख अपनाया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक यह निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि सितंबर में एफपीआई की घरेलू बाजार में रुचि बने रहने की संभावना है। हालांकि पूंजी प्रवाह को घरेलू राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक संकेतक, वैश्विक ब्याज दर की स्थिति, बाजार मूल्यांकन, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और बॉन्ड बाजार के आकर्षण से दिशा मिलने की उम्मीद है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने अगस्त में भारतीय इक्विटी में 7,320 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। पिछले दो महीनों की तुलना में एफपीआई की रु?चि कम होने का मुख्य कारण भारतीय बाजार में उच्च मूल्यांकन है। वित्त वर्ष 2024-25 की अनुमानित कमाई से 20 गुना अधिक पर निफ्टी कारोबार कर रहा है। इसके साथ, भारत अब दुनिया का सबसे महंगा बाजार है। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि एफपीआई के पास बहुत सस्ते बाजारों में निवेश करने के अवसर हैं और इसीलिए, उनकी प्राथमिकता भारत के अलावा अन्य बाजार हैं। इसके अलावा, 24 अगस्त को येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से एफपीआई व्यवहार पर काफी असर पड़ा, जिससे घरेलू इक्विटी में भारी बिकवाली हुई। दिलचस्प बात यह है कि एफपीआई शेयर बाजार बाजार में बिकवाली कर रहे हैं, जहां मूल्यांकन अधिक माना जाता है। वे अपने निवेश को प्राथमिक बाजार में लगा रहे हैं, जहां अपेक्षाकृत मूल्यांकन कम है। इस बीच एफपीआई ने अगस्त में बॉन्ड बाजार में 17,960 करोड़ रुपये का निवेश किया। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल किये जाने, आकर्षक ब्याज दर, स्थिर आर्थिक वृद्धि और अनुकूल दीर्घकालिक दृष्टिकोण एफपीआई को बॉन्ड में निवेश करने के लिए प्रेरित करने वाले प्रमुख कारक रहे हैं।

विमान ईंधन 4.6 प्रतिशत हुआ सस्ता

नई दिल्ली (ईएमएस)। कार्म?शियल एलपीजी ?सिलेंडर के साथ ही विमान ईंधन के भाव में भी रविवार को 4.6 प्रतिशत की कटौती की गई। वैश्विक बाजारों में तेल के दाम के रुख के अनुरूप यह फैसला ?लिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों के अनुसार दिल्ली में विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 4,495.5 रुपये प्रति किलोलीटर (4.58 प्रतिशत) की कटौती की गई है। विमानन कंपनियों की कुल परिचालन लागत में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। ऐसे में दाम में कटौती से इन कंपनियों पर लागत बोझ कम होगा। इससे पहले, दो बार दाम बढ़ाये गये थे।

विमान ईंधन के दाम एक अगस्त को दो प्रतिशत (1,827.34 रुपये प्रति किलोलीटर) की बढ़ोतरी की गई थी। इससे पहले इसमें 1.2 प्रतिशत (1,179.37 रुपये प्रति किलोलीटर) की वृद्धि की गई थी। एक जून को एटीएफ के दाम में 6.5 प्रतिशत (6,673.87 रुपये प्रति किलोलीटर) की कटौती की गई थी।

कटौती के बाद एटीएफ के दाम में मुंबई में घटकर 87,432.78 रुपये प्रति किलोलीटर हो गए हैं जो इससे पहले 91,650.34 रुपये प्रति किलोलीटर थे। स्थानीय करों के कारण एटीएफ के दाम विभिन्न राज्यों में अलग-अलग होते हैं।

गूगल ओआरजी ने एआई संचालित जलवायु समाधान करने चार भारतीय संगठनों को चुना

नई दिल्ली (ईएमएस)। एपीएसी सस्टेनेबिलिटी सीड फंड 2.0 के तहत अनुदान के लिए एशिया प्रशांत क्षेत्र में चार भारत-आधारित संगठनों को 14 अन्य प्राप्तकर्ताओं के बीच चुना गया है। इसे प्रौद्योगिकी दिग्गज की परोपकारी शाखा गूगल.ओआरजी से 50 लाख डॉलर के अनुदान से समर्थित किया गया है। एशियन वेंचर फिलैंथ्रोपी नेटवर्क (एवीपीएन) द्वारा प्रबंधित इस कोष का उद्देश्य महत्वपूर्ण पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए प्रौद्योगिकी और एआई-संचालित समाधानों को बढ़ावा देना है। गूगल ओआरजी ने एक बयान में कहा कि भारतीय प्राप्तकर्ताओं में आईएनआरईएम फाउंडेशन, सीईपीटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट फाउंडेशन (सीआरडीएफ), इंस्टीटयूट फॉर फाइनेंशियल मैनेजमेंट एंड रिसर्च (वेल लैब्स) और गुजरात महिला हाउसिंग सेवा ट्रस्ट (एमएचटी) शामिल हैं। आईएनआरईएम फाउंडेशन जल प्रदूषण डेटा तक सामुदायिक पहुंच के लिए एआई-सक्षम ओपन डिजिटल समाधान विकसित करेगा। सीआरडीएफ झीलों और उनके कार्बन सिंक फंक्शन की सुरक्षा के लिए मशीन लर्निंग और सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग करने की योजना बना रहा है। बयान में कहा गया है कि वेल लैब्स गांव-स्तर की जल सुरक्षा अंतर्दृष्टि के लिए उन्नत मॉडल विकसित करेगा, जबकि एमएचटी शहरी ताप द्वीपों की पहचान करने और समुदाय-केंद्रित समाधान सुझाने के लिए एआई-संचालित मॉडल बनाएगा।

रुस का दावा, यूक्रेन के ड्रोन हमले किए नाकाम, यूएवी एयरक्राफ्ट को मार गिराया

मास्को ,(ईएमएस)। रूस ने पोडॉल्स्क में यूक्रेन के ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही यूएवी एयरक्राफ्ट को भी नष्ट कर दिया गया। रूसी अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रूसी एयर डिफेंस फोर्सेज ने मास्को की ओर उड़ान भरने वाले ड्रोन हमले को नाकाम कर दिया।

रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन के निशाने पर मॉस्को समेत कई अन्य इलाके थे। मलबा गिरने वाली जगह पर कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ है। आपातकालीन सेवा जारी है और विशेषज्ञ घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। बाद में अलग-अलग पोस्ट में उन्होंने कहा कि एयर डिफेंस फोर्स ने मॉस्को की ओर उड़ान भर रहे दो ड्रोनों को मार गिराया है। उन्होंने कहा कि रूसी एयर डिफेंस फोर्सेज ने एक घंटे के अंदर 12 मानवरहित एयरक्राफ्ट का पता लगाकर नष्ट कर दिया। बाद में उन्होंने कहा कि 12 अन्य एयरक्राफ्ट्स (यूएवी जैसे) को एयर डिफेंस यूनिट ने नष्ट कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि हमले में कोई जनहानि नहीं हुई है।

मोदी सरकार के फैसले से अगस्त में तेल कंपनियों की मौज

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेल कंपनियों के लिए अगस्त का महीना डबल राहत वाला रहा है। जहां मोदी सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 11.9 प्रतिशत घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन कर दिया है, जो पहले 2,100 रुपये प्रति टन था। यह कटौती शनिवार से प्रभावी हो गई है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है।

इसके पहले मोदी सरकार ने 16 अगस्त को कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) या विंडफॉल टैक्स को 54.3 प्रतिशत घटाकर 4,600 रुपये से 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया गया था, जबकि डीजल और एटीएफ पर टैक्स को शून्य पर अपरिवर्तित छोड़ दिया गया था। इस तरह से अगस्त माह में दो बार में केंद्र सरकार ने करीब 60 प्रतिशत तक विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। भारत ने पहली बार 1 जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया और उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है।

बांग्लादेश में हिंदू शिक्षकों से जबरन लिया जा रहा इस्तीफा

नई दिल्ली(ईएमएस)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की परेशानियों का अंत नहीं हो रहा है। हमलों और अत्याचारों का सामना करने के बाद, अब हिंदुओं को सरकारी नौकरियों से इस्तीफा देने पर मजबूर किया जा रहा है। 5 अगस्त से अब तक लगभग 50 हिंदू शिक्षाविदों को इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया है।

यह खुलासा बांग्लादेश छात्र एक्य परिषद, जो कि बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एक्य परिषद का छात्र संगठन है, ने किया। सरकारी बकरगंज कॉलेज की प्रिंसिपल शुक्ला रॉय ने की इस्तीफा देते हुए फोटो भी सामने आई है। उनसे एक सादे कागज पर मैं इस्तीफा देती हूं सिर्फ इतना ही लिखवाकर इस्तीफा ले लिया गया। कुछ शिक्षकों ने भी बांग्लादेश में हिंदू शिक्षकों के इस्तीफे की पुष्टि की। संजय कुमार मुखर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, लोक प्रशासन और गवर्नेंस स्टडीज विभाग, काजी नजरुल विश्वविद्यालय, बांग्लादेश ने कहा कि दादा, मैं संजय कुमार मुखर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, लोक प्रशासन और गवर्नेंस स्टडीज विभाग, काजी नजरुल विश्वविद्यालय, बांग्लादेश हूं। मुझे प्रॉक्टर और विभागाध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। हम इस समय बहुत असुरक्षित हैं। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका, तस्लीमा नसरीन ने एक्स पर लिखा कि बांग्लादेश में हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं। शिक्षकों को जबरन इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। पत्रकार, मंत्री, और पूर्व सरकार के अधिकारियों को मारा जा रहा है,

बलूचिस्तान में भड़कीहिंसा में अब तक 70 की मौत

इस्लामाबाद(ईएमएस)। बलूचिस्तान प्रांत में इस हफ्ते हमलों की एक तेज लहर ने खलबली मचा दी, जिसमें 70 से अधिक लोग मारे गए। अलगाववादी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ताजा हमले, पहले के किसी भी ऐसे हमले से अधिक बड़े थे। इसने एक बार फिर बलूच विद्रोह को दुनिया के सामने ला दिया है। यह विद्रोह दशकों से पाकिस्तान के कमजोर हिस्से के रूप में गरीब और उपेक्षित बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों और शोषण से प्रेरित है। पाकिस्तान के 40 फीसदी इलाके के लोग आखिर इसके जरिये क्या हासिल करना चाहते हैं?बीएलए के पुलिस स्टेशनों और प्रमुख राजमार्गों पर हमले, बलूच नेता नवाब अकबर खान बुगती की पुण्यतिथि के मौके के आसपास हुए हैं। जो 18 साल पहले तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के चलाए गए कई आतंकवाद विरोधी अभियानों में से एक में मारे गए थे। बुगती की हत्या के बाद और ज्यादा हथियारबंद अलगाववादी समूहों का उदय हुआ। जो अब न केवल पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और चीनी हितों को बल्कि पंजाबी और सिंधी प्रवासी मजदूरों को भी निशाना बनाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमले बड़े पैमाने पर किए गए थे और विद्रोहियों के बढ़ते दुस्साहस, उनके मजबूत समर्थन आधार और आजाद तौर पर काम करने की बढ़ती क्षमता को दिखाते हैं।

बीएलए ने पंजाबी मजदूरों को निशाना बनाना एक नया जातीय आयाम पेश किया है, जो संकेत देता है कि बलूच कट्टरपंथी मुख्य रूप से पंजाबी सेना को भड़काने और चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में बीएलए द्वारा मारे गए लोगों में से लगभग आधे पंजाबी मजदूर थे। बलूच लोग पंजाबियों की आमद से नाराज हैं, जिन्हें बलूच लोगों की कीमत पर बलूचिस्तान में पैदा होने वाले आर्थिक अवसरों से लाभा पाते देखा जाता है। इसने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विद्रोह और इसे बनाए रखने वाली पंजाबी विरोधी भावना को बढ़ावा दिया है। यह भावना सिविल नौकरशाही में पंजाबी अभिजात वर्ग के पारंपरिक वर्चस्व और पंजाबी-प्रभुत्व वाली सेना के कारण पैदा हुई है। जो स्थानीय शिकायतों को दूर करने के लिए किसी भी वास्तविक राजनीतिक लीडरशिप या कोशिश की गैर मौजूदगी में बलूचिस्तान प्रांत पर राज करती है।

इराक में आईएस के हमले में दो की मौत, एक घायल

बगदाद,(ईएमएस)। बगदाद के उत्तर में स्थित सलाहुद्दीन प्रांत में आईएस समूह की बमबारी में दो लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। यह विस्फोट सलाहुद्दीन प्रांत की एक रेगिस्तानी सड़क पर एक कार के पास हुआ।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबक विस्फोट में कार पूरी तरह नष्ट हो गई और इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया है। बता दें 2017 में आईएस की हार के बाद से सुरक्षा में सुधार के बावजूद, समूह के बचे हुए सदस्य इराक में गुरिल्ला हमला करते रहते हैं। वह शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में घुसपैठ करते हैं और सुरक्षा बलों और नागरिकों को निशाना बनाते हैं।

इससे पहले बीते 19 अगस्त को इराकी सुरक्षा बलों ने दक्षिणी बगदाद से इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक भगोड़े आतंकवादी को गिरफ्तार किया था। खुफिया सूचना के आधार पर इराकी सेना ने आतंकवादी गतिविधियों पर सावधानीपूर्वक नजर रखी और उसे बगदाद से 40 किलोमीटर दक्षिण में लतीफिया के आसपास के क्षेत्र में घात लगाकर घेर लिया। इसके बाद आतंकवादी को पकड़ने में सफलता मिली।

चीन की एक हरकत के खिलाफ सीना तानकर खड़ा हो गया जापान

टोक्यो,(ईएमएस)। चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों के चलते अपने सभी पड़ोसी देशों से आए दिन पंगा लेता रहा है। चीन लाल सागर से लेकर हिंद महासागर तक वह अपना वर्चस्व चाहता है। लेकिन भारत के साथ कई देश समय-समय पर उसके मंसूबों पर पानी फेर देते हैं। हालांकि इसके बाद भी चीन शांत नहीं बैठता है और फिर नई हरकत कर अपने आस-पास के देशों को परेशान करता है। अब जापान ने चीन से खुला पंगा ले लिया है। दरअसल शनिवार को चीन के एक नौसैनिक सर्वेक्षण पोत ने जापानी जलक्षेत्र में प्रवेश किया। यह बात जापान को रास नहीं आई और उसने इस पर आपत्ति जता दी है। हैरान करने वाली बात यह है कि यह एक सप्ताह से भी कम समय में चीनी सेना द्वारा उसके क्षेत्र में दूसरा घुसपैठ है।

टोक्यो ने इस सप्ताह की शुरुआत में चीनी राजनयिकों से कहा था कि सोमवार को उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

खबरों के मुताबिक शनिवार की घटना पिछले वर्ष में दसवीं बार थी जब एक चीनी नौसेना सर्वेक्षण जहाज जापान के क्षेत्रीय जल से गुजरा है, और यदि पनडुब्बियों और अन्य खुफिया जानकारी जुटाने वाले जहाजों को शामिल किया जाए तो यह 13वीं बार है। खबरों के अनुसार बता दें कि हाल के वर्षों में जापान के निकट और ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधि में वृद्धि ने टोक्यो में चिंताएं बढ़ा दी हैं। जापान ने रक्षा निर्माण के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसका उद्देश्य बीजिंग को क्षेत्र में अपने क्षेत्रीय दावों को आगे बढ़ाने के लिए सैन्य बल का उपयोग करने से रोकना है। देश के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जहाज को जापान के दक्षिण-पश्चिम में कागोशिमा प्रान्त के तट पर स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 6 बजे (शुक्रवार को 2100 जीएमटी) देखा गया, तथा दो घंटे के भीतर ही उसे वहां से रवाना कर दिया गया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि टोक्यो ने चीनी दूतावास के अधिकारी के समक्ष इस घटना पर अपनी गंभीर चिंता और विरोध दर्ज कराया है। इसमें सोमवार को चीनी सैन्य विमान द्वारा पहली बार हवाई क्षेत्र में घुसपैठ का भी उल्लेख किया गया।

गौरतलब है कि चीन समंदर में अपना दबदबा चाहता है। लाल सागर में चीन की रणनीतिक रुचि दो गुना है भू-आर्थिक और भू-राजनीतिक। भू-आर्थिक मोर्चे पर, चीन स्थिर समुद्री व्यापार मार्गों में रुचि रखता है। इसमें मिडिल ईस्ट और भूमध्य सागर से पूर्व की ओर चीन की ओर ऊर्जा प्रवाह और यूरोप में चीनी आयात और निर्यात का पश्चिम की ओर प्रवाह शामिल है। वहीं हिंद महासागर क्षेत्र चीन की समुद्री रेशम मार्ग पहल में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

नॉर्वे की राजकुमारी को सपने का जादूगर आया और ले गया अपने साथ

शाही परिवार ही नहीं नॉर्वेजियन समाज के लिए भी यह घटना अहम

वाशिंगटन,(ईएमएस)। नॉर्वे की राजकुमारी मार्था लुईस ने 31 अगस्त यानी शनिवार को अमेरिकी जादूगर डयूरिक वेरिट से शादी रचा ली। गीरांगर के खूबसूरत इलाके में मौजूद एक होटल में शादी समारोह हुआ और इसने राजशाही की पारंपरिक गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच उभरे एक द्वंद्व को भी उजागर किया है।

राजकुमारी मार्था और डयूरिक ने प्रेम विवाह किया है। अक्सर राजकुमारियां किसी जादूगर की कल्पना करती हैं जो दूसरी दुनिया से आएगा, और उनके आस-पास सबकुछ बदल देगा, जैसा कि वे चाहती हैं...तो नार्वे की राजकुमारी मार्था की जिंदगी में ये सबकुछ ऐसा ही हुआ। कुछ सालों पहले उनकी जिंदगी में एक जादूगर आया और उससे उन्हें प्यार हो गया। इस शादी ने मार्था की जिंदगी में सबकुछ बदल दिया है। उनके पुराने दुख, चिंताएं और यहां तक उनकी शाही जिंदगी भी।

इस प्रेम कथा के सामने आते ही विवाद भी उठने लगे। जब उनके रिश्ते की खबरें सार्वजनिक हुईं, तो न केवल शाही परिवार, बल्कि आम जनता ने भी मिली-जुली प्रतिक्रिया दी। नॉर्वे में जहां पारंपरिक रूप से आध्यात्मिकता और शमनवाद को टैबू माना जाता है, इस रिश्ते ने समाज को सोचने पर मजबूर कर दिया। राजकुमारी मार्था लुईस और डयूरिक वेरिट की शादी की योजना को पूरी तरह से निजी रखागया। राजकुमारी मार्था लुईस के माता-पिता, राजा हेराल्ड और रानी सोनिया, इस अवसर पर मौजूद थे। मार्था की पहली शादी से उनकी तीन बेटियां भी इस शादी समारोह में शामिल हुईं।

पिछले साल, मार्था ने एक साक्षात्कार में मार्था ने दावा किया था कि वह भविष्यवक्ता हैं और उन्होंने 2018 तक एक स्कूल चलाया जो छात्रों को चमत्कार करने और स्वर्गदूतों से बात करने की शिक्षा देता था। वेरिट ने भी कहा है कि वह छह पीढ़ियों के शमन की नवीनतम कड़ी हैं और एक बार उन्होंने कहा था कि वह चार मिनट और 25 सेकंड के लिए मर गए थे। यह शादी न केवल नॉर्वे के शाही परिवार के लिए, बल्कि पूरे नॉर्वेजियन समाज के लिए भी एक अहम घटना है। इस घटना का नॉर्वे के शाही परिवार के भविष्य और जनता की नजर में उनकी प्रतिष्ठा पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

मौका देखते ही सियासी चौका मारने में माहिर तेजस्वी अचानक भूमिहारों के साथ खड़े हो गए

पटना(ईएमएस)। पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव अब मंजे हुए नेता बन गए हैं। वे मौका देखते ही चौका मारने में कभी पीछे नहीं हटते। इस बार उन्हे घर बैठे ही भूमिहारों को अपने खेमे में करने का मौका मिला है। ये मौका दिया है बिहार के मंत्री और जदयू नेता अशोक चौधरी ने। चौधरी के बयान पर जेडीयू के अंदर ही 2 गुटों के बीच जुबानी जंग छिड़ गयी है। भूमिहारों को लेकर बयान को लेकर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने अशोक चौधरी पर तीखा हमला बोला है। वहीं इन सबके बीच राजनीति की सही टाइमिंग को समझते हुए तेजस्वी यादव अचनाक से भूमिहारों के समर्थन में आकर खड़े हो गए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू का चरित्र ही जातीय उन्माद फैलाने का हैं। उनके एक सांसद डंके की चोट पर कहते है कि कुशवाहा, मुसलमान और यादव का कोई काम नहीं करेंगे। इनके एक मंत्री कहते हैं कि भूमिहार ने वोट नहीं दिया और समाज को लेकर आपतिजनक बातें कही। लोकतंत्र में अगर कोई किसी को वोट नहीं देता तो क्या 19 वर्षों से सरकार में बैठे जदयू के नेता और उनके मुखिया उन जातियों का तिरस्कार करेंगे?

नीतीश सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने जहानाबाद में जनता दल यूनाइटेड के क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के दौरान भूमिहार जाति पर तीखा बयान देकर न सिर्फ विवाद खड़ा किया है, बल्कि बिहार की राजनीति में उबाल ला दिया है। उन्होंने कहा मैं भूमिहार जाति को अच्छे से जानता हूं जब लोकसभा चुनाव हुआ तो इस जाति के लोग नीतीश कुमार का साथ छोड़कर भाग गए। अशोक चौधरी ने आगे कहा कि अगर किसी उम्मीदवार ने किसी के दरवाजे पर दो-तीन बार दस्तक दी तो भी वह खराब माना जाता है, जबकि अगर वही उम्मीदवार भूमिहार जाति का हो और उसने यह काम कभी ना किया हो तो उसे अच्छा माना जाता है। अशोक चौधरी ने लोकसभा चुनाव में जनता दल युनाइटेड के उम्मीदवार चंदेश्वर चंद्रवंशी को भूमिहार समुदाय का समर्थन न मिलने के संदर्भ में बात कर रहे थे।

अशोक चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार ने भूमिहारों के गांव में सड़कें बनवाईं, लेकिन जब अति पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार को टिकट दिया तो भूमिहारों ने समर्थन देने से हाथ खींच लिया। अशोक चौधरी ने लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी प्रत्याशी का विरोध करने वाले भूमिहार नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जब पार्टी ने सिंबल दे दिया तो फिर विरोध किस बात का? मंत्री ने कहा कि आने वाले विधान सभा चुनाव में ऐसे लोगों को पार्टी अहमियत नहीं देगी जो लोकसभा चुनाव के दौरान दिल्ली और मुंबई घूम रहे थे।

पाकिस्तान में कोई निवेश नहीं करना चाह रहा, अलग-थलग पड़ने का खतराः इमरान

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान पूर्व प्रधानमंत्री और मशहूर क्रिकेटर इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान निवेश के मामले में अलग-थलग पड़ा नजर आ रहा है, क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद ने अर्थव्यवस्था को पतन के कगार पर ला दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने एक बयान में कहा कि आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की नाजुक अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन खुफिया एजेंसियां एक राजनीतिक पार्टी को निशाना बनाने में व्यस्त हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरान ने कहा कि देश अलग-थलग पड़ने के खतरे का सामना कर रहा है और कोई भी पाकिस्तान में निवेश नहीं करना चाह रहा है क्योंकि देश आतंकवाद से जूझ रहा है। उन्होंने अदालती कार्यवाही में भाग लेने के बाद कहा कि संघीय दल होने के नाते उनकी पार्टी इस गंभीर स्थिति से निपट सकती है, क्योंकि अन्य सभी राजनीतिक दल अपने क्षेत्रों तक सीमित हैं। इमरान ने कहा कि राजनीतिक दल देश को एकजुट कर सकते हैं, लेकिन यह विडंबना है कि देशव्यापी मौजूदगी वाली उनकी पार्टी को कमजोर किया जा रहा है।

जापान कुंवारी लडकियों को गांवों में रहने के लिए दे रहा पैसा

टोक्यो (ईएमएस)। जापान अपने यहां की कुंवारी लड़कियों को पैसे ऑफर कर रहा है, ताकि वे शहर छोड़कर गांवों में जाएं। वहां जाकर रहें। नई पहल का मकसद गांव में घटती महिलाओं की जनसंख्या पर नियंत्रण पाना है। जापान में शहर में जन्मदर काफी कम हो गई है।

इसके लिए सरकार पहले से ही युवाओं को पैसे ऑफर कर रही है। लेकिन उनके सामने एक नया संकट आ गया है। वहां अब गांवों में महिलाओं की संख्या कम हो गई है। पुरुषों की संख्या ज्यादा है। बड़ी संख्या में लड़कियां पढ़ाई और नौकरी की वजह से गांव छोड़कर शहरों में जा रही हैं। इससे गांव के गांव खाली हो रहे हैं। वहां लड़कियों की संख्या काफी कम हो गई है। सरकार चाहती है कि लड़कियां अपने गांवों में ही रहें। वहीं उन्हें हर जरूरत की चीजें मुहैया कराई जाएं। इसके अलावा सरकार पैसे भी ऑफर कर रही है। उन्हें आने-जा

40% की जगह 20% बढ़ोतरी अस्वीकार्य

स्टाइपेंड को लेकर प्रदेशभर के रेजिडेंट डॉक्टर सोमवार से हड़ताल पर

अहमदाबाद,1 सितंबर

डॉक्टर हड़ताल पर जाएंगे: गुजरात सरकार की ओर से 31 अगस्त को इंटर्न और रेजिडेंट डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाने का अहम फैसला लिया गया. जिसमें सरकारी मेडिकल कॉलेजों के मेडिकल इंटर्न को रु. 21,840, डेंटल में रु. 20,160 रुपये, फिजियोथेरेपी 13,440 रुपये और आयुर्वेद और होम्योपैथी रुपये। 15,120 रुपये स्टाइपेंड बढ़ाया गया. हालांकि राज्य सरकार के इस फैसले को विरोध का सामना करना पड़ रहा है. इस मामले में बी.जे. मेडिकल रेजिडेंट डॉक्टर सोमवार (2 सितंबर) से हड़ताल पर जाएंगे।

इंटर्न और रेजिडेंट डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले को अब विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इंटर्न और रेजिडेंट डॉक्टरों की मांग है कि 2009 से स्टाइपेंड में 40 फीसदी की बढ़ोतरी के बजाय अब सिर्फ 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है. अब स्टाइपेंड में बढ़ोतरी 3 साल की बजाय 5 साल के लिए होगी. जिसका इंटर्न और रेजिडेंट डॉक्टर विरोध कर रहे हैं. इस मामले में रेजिडेंट डॉक्टर सोमवार (2 सितंबर) से हड़ताल पर जाएंगे। इस दौरान इमरजेंसी सेवा शुरू रहेगी.

इस संबंध में जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष शशांक अश्रा ने कहा, ''हमने राज्य सरकार को 25 बार आवेदन दिया है. लेकिन सरकार ने हमारी मांग नहीं मानी है. हम आपातकालीन कक्षों को भी बंद नहीं रखना चाहते और मरीजों को परेशान होना पड़ेगा, लेकिन लंबे समय से हमारी मांग पूरी नहीं हुई है, इसलिए हम विरोध करते हैं. बी.जे. गुजरात के 1200 से ज्यादा मेडिकल और 3500 से ज्यादा रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर रहेंगे और राज्य के 3 हजार से ज्यादा इंटर्न डॉक्टर भी हड़ताल पर रहेंगे.

राज्य के 6 सरकारी और 13 उर्शिएं (गुजरात मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च सोसाइटी) संचालित मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न और पोस्ट-ग्रेजुएट और सुपर स्पेशियलिटी कोर्स के रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए वजीफे की दरें बढ़ा दी गई हैं। इस बढ़ोतरी के मुताबिक सरकारी मेडिकल कॉलेजों के मेडिकल इंटर्न को रु. 21,840, डेंटल में रु. 20,160 रुपये, फिजियोथेरेपी 13,440 रुपये और आयुर्वेद और होम्योपैथी रुपये। 15,120 रुपये स्टाइपेंड मिलेगा.

डिग्री मेडिकल निवासियों को पहलेवर्ष में 1,00,800 रुपये, दूसरे वर्ष में1,02,480 रुपये, तीसरे वर्ष में 1,05,000 रुपये, चौथे वर्ष (सीनियर रेजिडेंट) और क्लिनिकल के लिए 1,10,880 रुपये मिलेंगे। सहायक। सुपर स्पेशलिस्ट सेवाओं में मेडिकल रेजिडेंट्स को पहले वर्ष में 1,20,960 रुपये, दूसरे वर्ष में 1,26,000 रुपये और तीसरे वर्ष में1,34,400रुपयेऔरडेंटल रेजिडेंट (डिग्री) को पहले वर्ष में 78,960 रुपये, रु. दूसरे वर्ष में .81,480 रुपये, फिजियोथेरेपी (डिग्री) में .83,496रुपये,पहलेवर्षमें 35,280 रुपये और दूसरे वर्ष में 43,680 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

मेडिकल रेजिडेंट (डिप्लोमा) को पहले वर्ष में 75,600 रुपये और दूसरे वर्ष में 82,320 रुपये का वजीफा दिया जाएगा। आयुर्वेदिक सेवाओं में पीजी निवासियों को पहले वर्ष में 50,400 रुपये, दूसरे वर्ष में53,760 रुपये और रु। 57,120 रुपये का भुगतान किया जाएगा. इसके अलावा, उर्शिएं द्वारा संचालित मेडिकलकॉलेजोंकेस्नातक पाठयक्रमों केप्रशिक्षुओं को रु। 21,840,जूनियर रेजिडेंट्स को 1,00,800 रुपये और सीनियर रेजिडेंट्स को 1,00,800 रुपये। 1,10,880 रुपये का भुगतान किया जाएगा.

जीएमईआरएस द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर पाठयक्रमों के जूनियर और सीनियर रेजिडेंट चिकित्सकों को पहले वर्ष में रु। 1,00,800, दूसरे वर्ष में रु. तीसरे वर्ष में1,02,480 रु. चौथे वर्षमें1,05,000 (सीनियर रेजिडेंट और क्लिनिकल असिस्टेंट) से रु. 1,10,880रुपयेस्टाइपेंडका भुगतान किया जाएगा. राज्य सरकार द्वारा यह वजीफा वृद्धिआदेश दि. 01/04/2024 से लागू हो गया है।

'पेड़ काटो, विकास लाओ' अब अहमदाबाद के साइंस सिटी रोड पर नष्ट होगी 400 पेड़ों की हरियाली!

अहमदाबाद,1 सितंबर

अहमदाबाद साइंस सिटी रोड बीआरटीएस -साइंस सिटी रोड पर दस साल पहले लगाए गए और आज पूर्ण विकसित हो चुके चार सौ से अधिक पेड़ बीआरटीएस ट्रैक के कारण नष्ट होने जा रहे हैं। पर्यावरण के लिहाज से सबसे संवेदनशील और अहमदाबाद के सबसे हरे-भरे साइंस सिटी इलाके की मुख्य सड़क को सीजी रोड की तरह बनाने के काम से अब बीआरटीएस ट्रैक कटने की कगार पर हैं।

दस साल पहले सोला ब्रिज के बाद इस क्षेत्र में सिंगल लेन सड़क थी। साइंस सिटी क्षेत्र निगम में शामिल होने और ट्रैफिक की समस्या बढ़ने से सड़कें चौड़ी की गईं। यहां सड़क चौड़ीकरण के साथ-साथ पौधे भी लगाए गए। साइंस सिटी के विकास के साथ, इस सड़क का विशेष महत्व था और इसमें तबेबुइया रसिया, सप्तपर्णी, दो बड़े बरगद, कई नीम, कई गुलमहोर और कई बोगनविलिया लगाए गए थे। प्रधान मंत्री और मंत्रियों के आंदोलन के कारण, ये पेड़ भी अच्छी तरह से तैयार हो गए। लेकिन अब इस सड़क को 30 करोड़ की लागत से और विकसित किया जा रहा है. जिसके चलते फुटपाथ और सीटें बिछाई जा रही हैं। इसके साथ ही यह भी तय है कि बीआरटीएस ट्रैक निर्धारित होने के बाद यहां विकसित 400 से अधिक पेड़ भी नष्ट हो जाएंगे। जैसा कि लोग पेड़ों के बारे में जानते हैं, कटाई रात में की जाती है ताकि ज्यादा शोर न हो, साइंस सिटी में बहुचर माताजी मंदिर से केसर साल इंस्टीट्यूट तक फैले इन विशाल पेड़ों को काटने से एक बड़ा हरा आवरण खो जाएगा।

साइंस सिटी क्षेत्र में, सरकार ने पर्यावरण के महत्व को दर्शाते हुए नौ अलग-अलग उद्यान बनाए हैं। इसमें एक बड़ा सरदार पटेल उद्यान और दो ऑक्सीजन पार्क शामिल हैं। यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य सड़क का निर्माण पूरा होने के बाद बीआरटीएस ट्रैक के लिए पेड़ों को काटा जाएगा। वर्तमान में वहां पचास से अधिक पेड़ काटे जा चुके हैं और तीन बीआरटीएस स्टैंड बनाए जा चुके हैं। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि जिस तरह से इलाके में ट्रैफिक बढ़ रहा है, उसे देखते हुए सड़कें संकरी हैं और इसकी सुविधा के लिए बीआरटीएस ट्रैक को खोलना होगा. दूसरी ओर, स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सरकारी योजना में इस क्षेत्र में पहले से ही 4 बीआरटीएस का प्रावधान था, तो हरियाली बनाने के लिए इतने सारे पेड़ क्यों लगाए जा रहे हैं और अब उन्हें काटा जा रहा है।

गुजरात में 'रैनकोट' में गरबा? अंबालाल की भयावह भविष्यवाणी ने चिंता बढ़ाई

अहमदाबाद,1 सितंबर

पिछले हफ्ते मेघराजा ने पूरे गुजरात में धूम मचा दी थी. राज्य के अधिकतर इलाके जलमग्न हो गये. घरों में पानी घुस गया. वडोदरा में सड़कों पर मगरमच्छ चलने लगे, सड़कें, खेत सब बर्बाद हो गए. लेकिन ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि गुजरात में बारिश अभी नहीं रुकेगी. इसी सप्ताह बादल न सिर्फ गरजेंगे बल्कि बरसेंगे भी। अंबालाल पटेल ने भी लगभग 10 सितंबर तक उत्तर-मध्य और दक्षिण-सौराष्ट्र में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है.

अंबालाल पटेल भादरवे भर को 'बेचारा'कहतेहुए कहते हैं कि मेघराजा नवली नवरात्रि में भी गरबा मैदान में झाड़ू लगाएंगे. अब गरबा आयोजकों को 9 दिनों की योजना, मैदान का किराया,आयोजन का खर्च, प्रायोजक, नवरात्रि पास तैयार करने, खिलाड़ियोंकोअपने मैदान में आकर्षित करने, गायकों और सजिंदा-वजिंदा-कलाकारोंकी बुकिंग की चिंता है - अगर अंबालाल की भविष्यवाणी के अनुसारबारिश होती है, तो सभी पानी. पानी हो जाएगा. तो गरबा प्रेमी भी सोच रहे हैं कि क्या इस बार रेनकोट पहनकर गरबा करना होगा?

राज्य में अभी भी नवरात्रि बाकी है. पूरा गणेश उत्सव बाकी है. लेकिन तैयारी-बुकिंग जल्दी करानी होगी. 2017 के बाद से लगभग हर नवरात्रि में देखा गया है कि नोर्टानी के मध्य से लगातार दो दिनों की भारी बारिश के बाद गुजरात में गरबा मैदान की सफाई के साथ नवरात्रि उत्सव समाप्त होता है।

परिणामस्वरूप, पूरी योजना खटाई में पड़ जाती है और योजनाकारों को हाथ पर हाथ धरे बैठना पड़ता है। गणेशोत्सव के बीच में कुछ कलाकार गरबा का आयोजन करने के लिए विदेश भी जाते हैं. कुछ लोग विदेशों में 'रंग डोलोरियो' देखते हुए पूरे नवरात्रि के दौरान गरबा में डूबे रहेंगे। लेकिन गुजरात के गरबा प्रेमी गणपति से प्रार्थना करने लगेंगे कि नवरात्रि का मजा किरकिरा न हो जाए.

जैसा कि मौसम विज्ञानी अंबालाल पटेल कहते हैं, बंगाल की खाड़ी में वायुमंडलीय प्रणालियों का एक क्रम गुजरात की ओर बढ़ेगा, जिससे राज्य में बारिश हो सकती है। जिस तरह बारिश जनमाष्टमी जैसे लोक उत्सव को धो डालती है, उसी तरह गरबा जैसे गुजरात की पहचान और सांस्कृतिक विरासत पर भी संकट के बादल मंडरा सकते हैं।

लोगों का विरोध, भारी बारिश के बाद वाहन चालकों के लिए नई 'आपदा',भ्रष्टअधिकारी मौज में!

अहमदाबाद,1 सितंबर

पिट इन अहमदाबाद रोडः गुजरात में भारी बारिश के बाद सड़कों पर बारिश का पानी भरने का दर्द लोगों को झेलना पड़ा. अब अहमदाबाद शहर के 19,000 गड्ढों के बीच गाड़ी चलाने का दर्द इस तरह सहना होगा कि खुद को चोट न लग जाए। धूप ने एक और दर्द बढ़ा दिया है। गड्ढे से बजरी, मिट्टी और धूल उड़ने लगी है। यह धूल सांस संबंधी बीमारियों का कारण बन सकती है और यहां तक कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकती है। हालाँकि, महंगी कारों में ए.सी. शराब के नशे में धुत होकर, पर्दे बंद करके, शीशा बंद करके घूमने वाले अधिकारियों को कभी भी जनता की दुर्दशा की झलक नहीं मिलेगी। लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है.

अहमदाबाद शहर का 2635 किलोमीटर का सड़क नेटवर्क भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अखाड़ा है। उसमें भी बारिश के बाद गड्ढे और उनकी मरम्मत ही सबसे बड़ा बिजनेस है. नगर निगम के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, पिछले तीन साल में मानसून के बाद शहर में कुल 55,000 गड्ढे हो गये हैं. ये सूत्र भी मानते हैं कि इस साल बारिश का एक महीना बाकी रहते हुए 19,000 गड्ढे हो गए हैं।

शहर के विशाल सड़क नेटवर्क के लिए बजट से प्रति वर्ष कुल 1000 करोड़ रुपये खर्च किये जाते हैं। इस बजट में सिर्फ 400 करोड़ रुपये यानी 40 फीसदी का इस्तेमाल नई सड़कों के लिए किया जाता है. शेष 200 करोड़ रुपये पुनरुत्थान (मरम्मत, टूट-फूट के बाद मरम्मत या तूफानी नालियों की खुदाई) के रूप में और 250 करोड़ रुपये राज्य सरकार के अनुदान के रूप में आते हैं। दिवाली से पहले सड़क के गड्ढे भरने की घोषणा के बाद इस अनुदान का अधिकतम उपयोग बरसात के गड्ढों को भरने में किया जाएगा। हालाँकि, एक गड्ढा भरने में कितना खर्च आता है?

अधिकारियों, स्थायी या सड़क समिति के अध्यक्ष-सदस्यों या किसी भी अधिकारी ने यह खुलासा नहीं किया कि नगर निगम को इस साल गड्ढे खोदने के लिए कितनी राशि की आवश्यकता होगी। इस बारे में उन्होंने यह कहकर चुप्पी साध ली कि ये आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, जोनवार खर्च होने के कारण उन्हें जानकारी नहीं है। नगर निगम के अधिकारी यह तर्क सामने रख रहे हैं कि खर्च की गई सही रकम का पता लगाने में काफी वक्त लगेगा, क्योंकि गड्ढों को भरने में हुए खर्च का ब्यौरा छिपाने के लिए सही रकम खर्च की गई है। सड़क समिति के अध्यक्ष ने कहा है कि 23 अगस्त से 31 अगस्त के बीच 6 हजार से ज्यादा गड्ढे भरे गए हैं.

अहमदाबाद में हर साल की तरह जून से शुरू हुई बारिश के कारण अगस्त के अंत तक सात जोन में मुख्य और आंतरिक सड़कों पर 19 हजार से ज्यादा गड्ढे बन गए हैं. शहर में नई सड़कें बनाने के लिए हर साल एक हजार करोड़ से ज्यादा का काम ठेकेदारों को दिया जाता है। सड़क ठेकेदारों के साथ दोष दायित्व की समय सीमा तय की जाती है। लेकिन, सड़क बनने के कुछ ही समय बाद सड़क पर बारिश का पानी भरने से गड्ढे पड़ जाते हैं। नगर निगम के अधिकारियों या प्रशासनिक तंत्र में काम करने वाले अधिकारियों को सड़कों पर बारिश के कारण बने गड्ढों की कोई चिंता नहीं है। क्योंकि वे बंद शीशे वाली कारों में बैठकर अपने घर या ऑफिस पहुंचते हैं।

अहमदाबाद नगर निगम की सड़क समिति शहर में नई सड़कों के निर्माण के प्रस्तावों को मंजूरी देती है, जिसमें पुरानी सड़कों को फिर से बनाने से लेकर गड्ढों को भरने तक शामिल है। जब सड़क समिति के अध्यक्ष जयेश पटेल से पूछा गया कि इस साल शहर की विभिन्न सड़कों पर 19,626 गड्ढों को भरने पर कितनी राशि खर्च की जाएगी, तो उन्होंने कहा, 'गड्ढों को भरने पर जितना पैसा खर्च किया जाएगा, उसे निकालना मुश्किल है। जोनवार काम होता है।'

नगर निगम सीमा में कुल 2635 किमी का सड़क नेटवर्क है। इनमें हर साल 800 से 1000 किलोमीटर लंबी सड़कें यूटिलिटी केबल एजेंसी, गैस एजेंसी, एजेंसी द्वारा बिछाने, अपग्रेडेशन, अपग्रेडेशन और फॉल्ट रिपेयरिंग के लिए खोली जाती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सड़कें खोली जा रही हैं क्योंकि नगर निगम सीवरेज और पानी की लाइनें बिछाने, स्टॉर्म वॉटर लाइनें बिछाने या उन्हें अपग्रेड करने का काम कर रहा है। उस एजेंसी द्वारा सड़क का काम पूरा होने के बाद जोनल स्तर से भी सड़क पर उचित निगरानी नहीं की जाती है.

अहमदाबाद में लागू होगी स्ट्रीट वेंडिंग पॉलिसीः जानिए शहर को क्या होगा फायदा?

अहमदाबाद,1 सितंबर

गुजरात में ट्रैफिक की समस्या दिन-ब-दिन विकराल होती जा रही है. जिसमें सड़क पर अवैध लॉरी और वाहन पार्किंग ट्रैफिक समस्या के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार है. खासकर सड़क पर लॉरियों के दबाव के कारण सड़क किनारे वाहन चालकोंऔर पैदल यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

फिलहाल इन मुद्दों को लेकर गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद नगर निगम को अपने हाथ में ले लिया है. फिर अहमदाबाद को दबाव मुक्त शहरबनाने के लिए मनपा की ओर से अगले 15 दिनों में स्ट्रीट वेंडिंग पॉलिसी का क्रियान्वयन शुरू कर दियाजाएगा.अब शहर में पंजीकृत मेले केवल उन्हीं स्थानों पर लॉरी या गाड़ी के साथ खड़े हो सकेंगे, जहां वेंडिंग जोन घोषित किया गया है। जिसके लिए हर माह नगर पालिका को रुपये मिलेंगे। 600 से रु. 250 तक का शुल्क भी देना होगा.

मनपा में पंजीकृत 62,000 फेरीवाले अहमदाबाद शहर में 415 निर्दिष्ट सड़कों पर वेंडिंग जोन में लॉरी के साथ खड़े हो सकेंगे। साबरमती रिवरफ्रंट, भादरा, जोधपुर, भोपाल, मणिनगर, गोटा, ठक्करबापानगर सहित क्षेत्रों में स्ट्रीट वेंडरों का पंजीकरण पहले ही किया जा चुका है। वेंडिंग पॉलिसी के तहत नये स्ट्रीट वेंडर्स का रजिस्ट्रेशन भी शुरू किया जायेगा.

अहमदाबाद नगर निगम के प्रभारी संपत्ति अधिकारी ने कहा कि शहर में स्ट्रीट वेंडिंग एक्ट के तहत कई मेले पंजीकृत हैं। इन्हें उन्हीं स्थानों पर खड़ा करने की प्रक्रिया शुरू की गई है, जहां वेंडिंग योजना के तहत वेल्डिंग जोन घोषित किया गया है। इसके प्रभावी संचालन के लिए जोन स्तर पर उप नगर आयुक्त की अध्यक्षता में सात सदस्यों की एक कोर कमेटी का गठन किया गया है. स्ट्रीट वेंडिंग योजना के अनुसार, लॉरियों को अब केवल निर्धारित स्थानों पर ही पार्क करने की अनुमति होगी। जिन स्थानों पर अनुमति नहीं है वहां दबाव हटाया जाएगा। केवल पंजीकृत विक्रेताओं को ही वेंडिंग जोन में खड़े होने की अनुमति होगी।

शहर में जिन स्थानों पर वेंडिंग जोन घोषित किए जाएंगे, उन्हें पीली पट्टी से चिह्नित किया जाएगा। लॉरी वाली परियों को इसी स्थान पर खड़ा होना पड़ेगा। स्थान, समय सहित इनका पालन करने के निर्देश वाले बोर्ड लगाए जाएंगे। नो वेंडिंग जोन में कहीं भी कोई लॉरी पार्क नहीं की जाएगी, यदि कोई लॉरी या फेरीवाले घुसपैठ करते हैं तो उन्हें तुरंत हटा दिया जाएगा।

वर्ष2017में मनपा म 62,000 मेलों का पंजीकरण किया गया और 2019 के बाद जोन स्तर पर अलग-अलग आईकार्ड जारी किये गये। शहर में करीब 75 हजार मेले हैं, उन सभी मेलों का दोबारा सर्वे कराकर उनके नवीनीकरण का सत्यापन कराया जाएगा। हालांकि सिस्टम के सामने हीशहरके कोने-कोने में लॉरियां खड़ी होकर सड़क जाम कर रही हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होती.

अरवल्ली में नकली एसडीएम पकड़ाया

अहमदाबाद (ईएमएस)गुजरात में पिछले काफी समय से फर्जी अफसरों की गिरफ्तारी और फर्जी दस्तावेजों के मामलों का मिलना जारी हैंमौजूदा घटनाओं में कहीं नकली एसडीएम पकड़ा गया तो कहीं आदिवासीजमीन बेचने तो कहीं फर्जी दस्तावेज बनाकर कर प्लॉट का सौदा करने के मामले सामने आए हैंजानकारी के मुताबिक उत्तर गुजरात के अरावली के बायड के साठंबा गांव से एक फर्जी एसडीएम पकड़ा गया हैं रायोटिंग के मामले में इंद्राण गांव में एक शख्स ने गलत गलत पहचान दी।

न्याय वितरण प्रणाली में फोरेंसिक विज्ञान पीड़ितों के लिए एक महत्त्वपूर्ण स्तंभः न्यायमूर्ति जितेंद्र माहेश्वरी

अहमदाबाद (ईएमएस) विक्टिमोलॉजी और पीड़ित सहायता में फोरेंसिक और समकालीन परिप्रेक्ष्य पर वर्ल्ड सोसाइटी ऑफ विक्टिमोलॉजी (डब्ल्यूएसवी) की 18वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 1 सितंबर, 2024 को राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर में किया गया था। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, न्यायाधीश-भारत का सर्वोच्च न्यायालय; भारत में मंगोलिया के राजदूत गैनबोल्ड दंबजाव; प्रो जेनिस जोसेफ, अध्यक्ष-वर्ल्ड सोसाइटी ऑफ विक्टिमोलॉजी; न्यायमूर्ति कल्पेश ज़वेरी, ओडिशा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश; एनएफएसयू के कुलपति पद्मश्री से सन्मानित, डॉ. जे.एम. व्यास मंच पर मौजूद थेंगौरतलब है कि भारत में पहली बार एनएफएसयू में विक्टिमोलॉजी पर पांच दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया हैंजहां संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, ताइवान, जर्मनी और मंगोलिया से पीड़ित विज्ञान के पेशेवर और चिकित्सक भी मौजूद हैं।

इस अवसर पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जीतेन्द्र कुमार माहेश्वरी ने न्याय में पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण चरणों पर प्रकाश डाला। जिसके तहत फोरेंसिक विज्ञान विशेषज्ञ अपराध के पीड़ितों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंः जांच के दौरान, परीक्षणों में साक्ष्य प्रस्तुत करना और समाज में पीड़ितों के पुनर्वास और पुनर्वास में। न्यायमूर्ति माहेश्वरी ने इस बात पर जोर दिया कि इन प्रक्रियाओं में फोरेंसिक विज्ञान पेशेवरों की विशेषज्ञता अमूल्य है।

अपने विशेष संबोधन में, एनएफएसयू के कुलपति पद्मश्री से सन्मानित, डॉ. जे.एम. व्यास ने विक्टिमोलॉजी संगोष्ठी के महत्वपूर्ण प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संगोष्ठी फोरेंसिक और नैदानिक मनोविज्ञान के माध्यम से अपराध और प्राकृतिक आपदाओं के पीड़ितों की सहायता करने, उनके पुनर्वास में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा, सम्मेलन पीड़ितों के पुनर्वास, पुनर्वास और वित्तीय मुआवजे के लिए एक मूल्यवान कानूनी ढांचा प्रदान करेगा। वर्ल्ड सोसायटी ऑफ विक्टिमोलॉजी के अध्यक्ष प्रो. जेनिस जोसेफ ने भी संबोधित किया।

प्रो. (डॉ.) एस.ओ. जुनारे, परिसर निदेशक-एनएफएसयू, गांधीनगर ने उद्घान समारोह में गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह के दौरान; प्रो (डॉ.) पूर्वी पोखरियाल, आयोजन अध्यक्ष-डब्ल्यूएसवी; अन्य अधिकारी, एनएफएसयू के छात्र और विभिन्न देशों के पीड़ित विज्ञान के पेशेवर और चिकित्सक भी उपस्थित थे।

गुजरात के इन सात जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान, मौसम विभाग का ताजा अपडेट

वडोदरा,1सितंबर

गुजरात बारिश आईएमडी पूर्वानुमानः जहां अगस्त के अंत में मेघराजा ने राज्य में भारी बारिश की है, वहीं मौसम विभाग ने 5 सितंबर तक भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। जिसमें आज (01 सितंबर) 11 जिलों अमरेली, भावनगर, दाहोद, पंचमहल, छोटा उदेपुर, नर्मदा, तापी, सूरत, डांग, नवसारी और वलसाड के छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ भारी बारिश के कारण येलो अलर्ट घोषित किया गया है. वहीं कल (02 सितंबर) को दक्षिण गुजरात के 7 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है. आइए जानते हैं सितंबर के पहले हफ्ते में कहां होगी भारी से भारी बारिश.

राज्य में पिछले 24 घंटों में नौ तालुकाओं में बारिश हुई है। जिसमें सूरत शहर में 24 मिमी, भावनगर में 15 मिमी, जामनगर के जोडिया और साबरकांठा के पोशिना में 7 मिमी, सूरत के बारडोली में 3 मिमी, वलसाड के वापी में 2 मिमी, पोरबंदर के राणावाव, मोरबी, वडोदरा के शिनोर में 1-1 मिमी शामिल है। बरस गया बादल का पानी।

कल 02 (सितंबर) को दक्षिण गुजरात के अधिकांश हिस्सों सहित मध्य गुजरात और सौराष्ट्र के कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, नवसारी, डांग और वलसाड जिलों में गरज के साथ भारी से बहुत भारी बारिश के कारण ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं मौसम विभाग ने सौराष्ट्र के अमरेली और भावनगर सहित आनंद, वडोदरा, पंचमहल, दाहोद, छोटा उदेपुर जिलों के छिटपुट स्थानों पर गरज के साथ भारी बारिश की भविष्यवाणी की है।

03 सितंबर को सौराष्ट्र के अमरेली और भावनगर सहित आनंद, वडोदरा, भरूच और नर्मदा जिलों के छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। जबकि राजकोट, सुरेंद्रनगर, बोटाद, अहमदाबाद, खेड़ा, गांधीनगर, पंचमहल, छोटा उदेपुर, तापी, नवसारी, डांग, सूरत, वलसाड जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। इसके अलावा 13 जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है.

04 सितंबर को भारी बारिश को लेकर राज्य के 33 जिलों में से 20 जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है. कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, राजकोट, बोटाद, भावनगर, अहमदाबाद, गांधीनगर, मेहसाणा, पाटन, बनासकांठा, साबरकांठा, खेड़ा, आनंद, वडोदरा, पंचमहल, भरूच, नर्मदा, छोटा उदेपुर, सूरत जिलों में येलो अलर्ट की घोषणा की गई है। इसके अलावा 13 जिलों में कोई चेतावनी घोषित नहीं की गई है. वहीं, 05 सितंबर को केवल उत्तरी गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, पाटन और मेहसाणा जिलों के छिटपुट स्थानों पर भारी गरज के साथ येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बहुत जल्द पटरियों पर दौड़ती नजर आएगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नई दिल्ली। भारतीय रेल द्वारा बहुत जल्द वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाने वाला है। वंदे भारत ट्रेन की तरह वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का निर्माण भी स्वदेशी तकनीक से किया जा रहा है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में पैसेंजर सेफ्टी के साथ-साथ लोको पायलट और अटेंडेट्स की सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा गया है। लोको कैब को बेहतर बनाया गया है, साथ ही यह ट्रेन टक्कर रोधी कवच प्रणाली से लैस है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का डिजाइन और इसका इंटीरियर काफी आकर्षक और इसमें विश्वस्तरीय यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस ट्रेन में ळएँ चार्जिंग प्रावधान के साथ एकीकृत रीडिंग लाइट, सार्वजनिक घोषणा और विजुअल इन्फॉर्मेशन प्रणाली, इनसाइड डिस्प्ले पैनल और सिक्योरिटी कैमरे व मॉडयूलर पैंट्री की सुविधा है।

इसके साथ ही दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष बर्थ और शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। इसके अतिरिक्त, फर्स्ट एसी डिब्बे में यात्रियों के लिए गर्म पानी के शॉवर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल जल्द शुरू होने वाला है और उसके पश्चात इस ट्रेन को देश के विभिन्न रेल मार्गों पर संचालित किया जाएगा। वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों को लंबे रेल रूट्स पर संचालित किया जाएगा और इस ट्रेन से भारत में लंबी दूरी की रेल यात्रा में क्रांति आने की उम्मीद है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन आराम, सुरक्षा और दक्षता के मामले में नए मानक स्थापित करेगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बेंगलूरु में उत्पादन इकाई का दौरा किया और वहां वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट के उत्पादन का निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रीय रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना भी उनके साथ मौजूद रहे। रेल मंत्री ने वंदे भारत स्लीपर के उत्पादन में कार्यरत कर्मचारियों से बातचीत की और उनका उत्साहवर्धन भी किया।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और डॉ अम्बेडकर वनवासी कल्याण ट्रस्ट ने सूरत में स्थानीय कर्मचारियों को सशक्त बनाने और उनकी रोज़गार क्षमता बढ़ाने के लिए लॉन्च किया स्किल इंडिया सेंटर

सूरत, गुजरात, 30 अगस्त, 2024: बारडोली निवार्चन क्षेत्र से संसद सदस्य श्री प्रभुभाई वसावा ने आज सूरत में स्किल इंडिया सेंटर (एसआईसी) का उद्घाटन किया, जो भारत के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। कौशल विकास एवं उद्यामशीलता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के नेतृत्व में संचालित इस पहल का उद्देश्य युवाओं की रोज़गार क्षमता और कार्यबल में उनकी भागीदारी बढ़ाना है।

प्रभुभाई वसावा, संसद सदस्य ने इस अवसर पर सभा को सम्बोधित करते हुए कहा, ''कौशल विकास एवं उद्यामशीलता मंत्रालय और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम ने सूरत के युवाओं को प्रासंगिक कौशल एवं सर्टिफिकेशन प्रदान करने के लिए सूरत में यह सेंटर स्थापित किया है। यहां प्रशिक्षण पाने के बाद न सिर्फ उन्हें स्थानीय रूप से रोज़गार के अवसर मिलेंगे, बल्कि वे देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में अवसरों का लाभ भी उठा सकेंगे।

स्थानीय अर्थव्यवस्था की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए सूरत के इस सेंटर में कोर्सेज़ पेश किए जाएंगे, खासतौर पर यहां प्रतिभागियों को टेक्सटाईल एवं परिधान, रीटेल मैनेजमेन्ट, उद्यामिता, प्लंबिंग, वेल्डिंग, इलेक्ट्रिशियन सेक्टर में प्रशिक्षण पाने के अवसर मिलेंगे। इससे न सिर्फ उनकी रोज़गार क्षमता बढ़ेगी बल्कि स्थानीय कर्मचारियों के लिए उद्यामिता को अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

इंडियन आईस्क्रीम एक्सपो गांधीनगरमें 22 देशों की मेज़बानी करने को तैयार

गुजरातमें आयोजित होने जा रहा है भारत का सबसे बड़ा आईस्क्रीम उद्योग इवेंट

30 अगस्त2024:**Indian Ice-Cream Expo (IICE)** 3 से 5 सितंबर 2024 तक गांधीनगर के हेलिपैड प्रदर्शनी केंद्र में अपने 12वें संस्करण के लिए तैयार है। यह महत्वपूर्ण आयोजन **Indian Ice-Cream Manufacturers' Association (IICMA)** द्वारा आयोजित और **AIM Events** द्वारा प्रबंधित है। इसमें वैश्विक आईस्क्रीम उद्योग की नई तकनीकें और ट्रेंड्स पेश किए जाएंगे।

IICE 2024 आईस्क्रीम उत्पादन और वितरण में नई उन्नतियों को देखने का एक बेहतरीन मौका देगा। यहाँ आपको उद्योग के विकास, नेटवर्किंग के अवसर और इंडस्ट्री लीडर्स के साथ सहयोग करने का मौका मिलेग। चाहे आप एक निर्माता हों, वितरक हों या आईस्क्रीम के शौकीन हों, यह एक्सपो आपको आईस्क्रीम बाज़ार को आकार देने वाले अंतर्दृष्टि और एहम कनेक्शंस बनाने का वादा करता है।

इंडियन आईस्क्रीम उद्योग एक सुनहरे युग में है, जो दुनिया के सबसे तेज़ विकास दर वाले सेक्टरों में से एक है। इस क्षेत्र ने हर साल 12-15 प्रतिशत की अद्भुत वृद्धि देखी है, और 14 साल पहले इसका कारोबार **Rs.** 2,500 करोड़ से बढ़कर 2024मे**Rs.**30,000 करोड़ से अधिक हो गया है। इस आश्चर्यजनक विस्तार का श्रेय प्रमुख ब्रैंड्स जैसे वाडी